दैनिक
भोपाल, ग्वालियर, झांसी एव शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
RNI-MPHIN/2016/71355
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
नवनीत एक्सप्रेस
भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झॉंसी (मध्य प्रदेश. उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित
संपादक: महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं
वर्ष : 10 अंक: 290 | भोपाल, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

प्रधानमंत्री श्री मोदी की स्वदेशी से देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के साथ हैं प्रदेशवासी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्वदेशी की भावना प्रदेश में हो रही साकार

युवाओं को राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ ही स्वच्छता और स्वदेशी से जुड़ने के लिए किया जाएगा प्रेरित

प्रधानमंत्री श्री मोदी 25 अगस्त को धार में करेंगे वस्त्रोद्योग पर केन्द्रित पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन

एक लाख से अधिक युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर

ब्रह्मा-भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड रेलवे हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग में बनेंगे वंदे भारत-अमृत भारत और मेट्रो के कोच

लगातार चौथे वर्ष होगा हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्राओं का आयोजन

राज्य सरकार भोपाल और इंदौर मेट्रोपोलिन सिटी के विकास की ओर हो रही अग्रसर

14 अगस्त बलराम जयंती और 16 अगस्त जन्माष्टमी पर होंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम

गोकुल-वृदांवन के समान होगा भगवान श्रीकृष्ण लीलाओं से जुड़े उज्जैन, जानापाव, अमझेरा और नारायणा का महत्व

भोपाल, ब्यूरो।

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वदेशी की भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए देश को अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में देश को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की दृढ़ता हम सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत है। सभी प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी की इस प्रतिबद्धता के साथ हैं। इसी क्रम में स्वदेशी की भावना को साकार करते हुए 10 अगस्त को भोपाल के पास रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज में ब्रह्मा (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) का भूमिपूजन और शिलान्यास केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में किया जा रहा है। केन्द्रीय कृषि एवं पंचायतराज मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव भी कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे। प्रदेश में पहली बार रेल कोच, मेट्रो कोच आदि का निर्माण कर देश में आपूर्ति के साथ विदेशों में भी निर्यात किया जाएगा। लगभग 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली परियोजना से 1500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। प्रदेश में पहली बार इस प्रकार की रेलवे कोच निर्माण सुविधा स्थापित हो रही है, जो मध्यप्रदेश को देश के रेलवे विनिर्माण मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

रेल कोच इकाई भोपाल मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास को गति देगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

10 अगस्त को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह करेंगे भूमिपूजन

60 हेक्टेयर भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनेगी रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई

1500 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रदेश को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात प्राप्त हो रही है। भारत अर्थ मूवर्स परियोजना द्वारा भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से भोपाल, रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा। इन जिलों के तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम मान को जान से मारने की धमकी, पन्नू ने फिर दिया भडकाऊ बयान

अमृतसर, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब में खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भड़काऊ बयान दे

दिया है। इसी के साथ सीएम भगवंत मान को हत्या की धमकी दी गई, जिससे राज्य में हलचल मच गई है। दरअसल पन्नू ने एक वीडियो जारी कर फरीदकोट में मुख्यमंत्री को निशाना बनाने की चेतावनी दी है, साथ ही खालिस्तान समर्थक गतिविधियों को हवा देने की कोशिश की है। 15 अगस्त को भगवंत मान निशाने पर रहोगे, यह सीधा संदेश वीडियो में पन्नू ने दिया। उसने कहा है, कि फरीदकोट में तिरंगा फहराने का विरोध करेंगे, खालिस्तान का झंडा लहराओ। हिंदू समाज को चेतावनी देते हुए कहा गया, कि यदि वे खालिस्तान का समर्थन नहीं करेंगे, तो खालिस्तान बनने पर हिसाब लिया जाएगा। पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी को लेकर लोगों को उकसाने की भी कोशिश की। पन्नू ने दावा किया है, कि अमृतसर बस स्टैंड के पास एक मंदिर, खालसा कॉलेज की दीवार और जिला कोर्ट परिसर में एसएफजे जिंदाबाद, भगवंत मान मुर्दाबाद, और खालिस्तान जैसे नारे लिखवाए गए हैं। इस पर मंदिर के पुजारी जतिंदर अरोड़ा ने पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह मंदिर की दीवार पर नारे पाए गए थे। मंदिर समिति ने पुलिस को तुरंत सूचित किया और दीवारों को फिर से पेंट करवा दिया गया है।

मुंबई में जन्मी रेशमा फॉर्च्यून की टॉप 100 बिजनेस लीडर्स सूची में शामिल

मुंबई, एजेंसी। भारतीय मूल की सीईओ रेशमा केवालमणि

ने वैश्विक व्यापार जगत में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें फॉर्च्यून की 'दुनिया के 100 सबसे शक्तिशाली बिजनेस लीडर्स' की सूची में शामिल किया गया है। रेशमा को इस सूची में 62वां स्थान मिला है। यह उनकी इस सूची में पहली एंट्री है। रेशमा वर्तमान में वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स की प्रेसिडेंट और सीईओ हैं, और अमेरिका की किसी प्रमुख बायोटेक्नोलॉजी कंपनी की पहली महिला प्रमुख बनने का गौरव भी उन्हें प्राप्त है। उन्होंने अप्रैल 2020 में सीईओ का पदभार संभाला था। वैसे भारतीय मूल की रेशमा के साथ ही इस सूची में भारत और भारतीय मूल के कई अन्य नामचीन नेताओं को भी स्थान मिला है। इनमें सत्य नडेला (सीईओ, माइक्रोसॉफ्ट) सेकंड रैंक पर हैं, जबकि सुंदर पिचाई रैंक 6 में, मुकेश अंबानी रैंक 56 में, नील मोहन रैंक 83 और गौतम अडानी को रैंक 96 में रखा गया है। इस सूची में पहला स्थान एनविडिआ के सीईओ जेंसन हुआंग को मिला है। मुंबई में जन्मी रेशमा एक प्रशिक्षित चिकित्सक हैं और उन्होंने 2017 में वर्टेक्स में चीफ मेडिकल ऑफिसर के तौर पर काम शुरू किया था। चिकित्सा और क्लिनिकल रिसर्च की गहरी समझ उन्हें एक अलग पहचान देती है। फार्च्यून मैगजीन के अनुसार यह सूची केवल नेट वर्थ पर आधारित नहीं है, बल्कि यह उन लीडर्स की सोच और प्रभाव को भी मापती है, जो वर्तमान और भविष्य के वैश्विक व्यापार पर असर डालते हैं।

संसद का मानसून सत्र: 14वें दिन भी विपक्ष का जोरदार हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

एसआईआर को लेकर खत्म नहीं हो रहा रार

नई दिल्ली, एजेंसी।

संसद के मानसून सत्र का 14वां दिन विपक्षी हंगामे की भेंट चढ़ गया। बिहार एसआईआर (स्पेशल इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट) को लेकर विपक्षी दलों के तीखे विरोध और नारेबाज़ी के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ गई।

इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद में जोरदार प्रदर्शन करते हुए एसआईआर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि बिहार में सामने आई रिपोर्ट में गंभीर संवैधानिक और सामाजिक सवाल उठे हैं, जिन पर संसद में

चर्चा अनिवार्य है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिखकर इस विषय पर चर्चा कराने की मांग की थी। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब में कहा कि कोर्ट में लंबित मामलों पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती, इसलिए नियमों के तहत एसआईआर पर बहस की अनुमति नहीं दी जा सकती है। हंगामें के चलते कार्यवाही बाधित रही जिस कारण लोकसभा में आज प्रस्तावित दो अहम विधेयकों नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) बिल, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने पर फैसला नहीं हो सका।

भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार : सीएम

मुख्यमंत्री ने दिया लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन का शगुन

प्रत्येक लाड़ली बहना को 250 रुपए राखी का शगुन मिलाकर मिले 1500 रूपए

रक्षाबंधन से पहले प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को मिली 1859 करोड़ की बड़ी सौगात

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है, जो सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करता है। रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि नारी गरिमा और सामाजिक सुरक्षा का भी संदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि हर रिश्ता परिभाषित और पूज्यनीय होता है। उन्होंने द्रौपदी और श्रीकृष्ण की रक्षाबंधन कथा का उल्लेख करते हुए इसे भाई-बहन के रिश्ते की शक्ति का प्रतीक बताया, जहाँ श्रीकृष्ण ने जीवनभर द्रौपदी की रक्षा का संकल्प निभाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिये निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 89 हजार लाड़ली बहनों के खातों में 1,859 करोड़ रुपए अंतरित किये। साथ ही उज्जवला योजना के अंतर्गत 28 लाख से अधिक बहनों को 43.90 करोड़ सहायता राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण भी किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और कन्या-पूजन कर किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हजारों साल से भारतीय कुटुम्ब परंपरा में सभी रिश्तों का महत्व है। भांजी का विवाह करना, बेटी का विवाह करने से बढ़कर माना गया है। भारतीय संस्कृति में भांजे-भांजियों को अपने बच्चों से बढ़कर माना जाता है। बहनों की राखी और आशीर्वाद से शक्ति मिलती है। भारतीय संस्कृति में भाइयों ने सदैव बहनों की रक्षा की जैसे महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व से देश में आतंकी घटनाएं बंद हो गई हैं। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर दुश्मन को खत्म किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगा दी फटकार

आप सालों विचाराधीन कैदी बनाकर जेल में रखते

विरोधी दलों का आरोप, ईडी बदले की भावना से कार्य कर रही

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष लगातार कहता रहा हैं कि ईडी बदले की भावना से कार्य कर रही है। अब विरोधी दलों की इसी मंशा के अनुरुप सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई के दौरान ईडी से तीखा सवाल किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्यशैली और दोषी ठहराने को लेकर सवाल खड़ा किया है। सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के दौरान कहा, आप उन आरोपियों को भी सालों तक जेल में रखने में सफल रहे हैं, जिन्हें अदालतों ने दोषी नहीं ठहराया। यह तीखा सवाल चीफ जस्टिस बीआर गवई की विशेष पीठ ने उठाया है।

यह सुनवाई उस फैसले से जुड़ी थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2 मई को भूषण पावर एंड स्टील को बंद करने का आदेश दिया था और जेएसडब्ल्यू स्टील की खरीदने की योजना को खारिज किया था। इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ईडी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को बताया कि ईडी ने अब तक 23,000 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग को पकड़कर पीड़ितों में वितरित किया है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में इतना ज्यादा कैश मिला कि ईडी की गिनती करने वाली मशीनें खराब हो गईं।

लेकिन इन तथ्यों के बीच सीजेआई गवई ने सीधे सवाल दागा आपके मामलों में दोषसिद्धि दर क्या है? इसपर एसजी ने कहा कि आईपीसी के तहत भी दोषसिद्धि की स्थिति निराशाजनक है, कई बार लोग आश्चर्यचकित होते हैं कि कुछ आरोपी कैसे बरी हो जाते हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर चुनावों में धांधली होने का बड़ा आरोप लगाया

एक पते पर 50-50 मतदाता थे, कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग-अलग

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में नेता विपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बीते कुछ चुनावों में धांधली होने का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों की कथित वोटर लिस्ट दिखाई जिसमें एक ही पते पर कई नाम दर्ज थे। उन्होंने मतदाता सूची दिखाई जिसमें कई वोटरों के मकान नंबर शून्य लिखा था और पिता का नाम भी गलत लिखा हुआ था। एक वोटर में पिता का नाम डिफोजगैड्फ' दिया गया था।

उन्होंने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का हवाला देकर आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाया गया। उन्होंने एक प्रेसवार्ता में कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के आंकड़ों की प्रस्तुति देकर धांधली का दावा किया। राहुल गांधी ने बताया कि ''चुनाव धांधली'' के सबूत एकत्र करने में कुल 6 माह का समय लगा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा नहीं दे रहा है, ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके।राहुल गांधी ने कहा कि उनकी टीम ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के डेटा का विश्लेषण कर गड़बड़ी का पता किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में बीजेपी को एकतरफा वोट मिला। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी हुई। उन्होंने कहा, ''एक पते पर 50-50 मतदाता थे...कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग अलग थे।राहुल गांधी ने कहा, ''हमारे संविधान में जो बातें निहित हैं, वहां इस तथ्य पर आधारित हैं कि एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार होगा। सवाल यह है कि अब यह विचार कितना सुरक्षित है कि एक व्यक्ति को एक वोट अधिकार मिलेगा? राहुल गांधी ने कहा, बीते कुछ समय से जनता में एक संदेह था। सत्ता विरोधी माहौल दल के खिलाफ होता है, लेकिन भाजपा इकलौती ऐसी पार्टी जिसके खिलाफ माहौल नहीं होता। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव का उल्लेख कर कहा कि सर्वेक्षण कुछ कह रहे थे, लेकिन नतीजे कुछ और हो गए।कांग्रेस नेता ने कहा, ''जब ईवीएम नहीं था, तब पूरा देश एक दिन वोट किया करता था, लेकिन आज के जमाने में कई चरणों में मतदान होता है..इसकारण लंबे समय से संदेह की स्थिति थी।''

सुप्रीम कोर्ट अनुमति देगा तो मधुरी लौटेगी कोल्हापुर नंदिनी मठ

सीएम फडणवीस बोले- मधुरी को वापस लाने की हर संभव कोशिश

कोल्हापुर एजेंसी। महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित नंदिनी मठ की हाथिनी 'मधुरी' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि यदि सुप्रीम कोर्ट अनुमति देता है, तो हाथिनी मधुरी को वंतारा से वापस कोल्हापुर लाया जाएगा। उन्होंने इसे अच्छी खबर बताते हुए सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि मुंबई में वंतारा टीम से उनकी विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें वंतारा ने महाराष्ट्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में शामिल होकर हाथिनी मधुरी की सुरक्षित वापसी में सहयोग देने का भरोसा दिया है। फडणवीस ने एक्स पर लिखा, कि ÷यह अच्छी खबर है कि वंतारा ने भरोसा दिलाया है कि वे सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार की याचिका में शामिल होकर हाथिनी 'मधुरी' को मठ में वापस लाने में सहयोग देंगे।

ब्रीफ न्यूज

विधायक संजय पाठक बोले-अफसरों ने अनुमान से रिपोर्ट बनाई

भोपाल। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से बीजेपी विधायक संजय पाठक से जुड़ी तीन फर्मों से 443 करोड़ की वसूली करने को लेकर विधानसभा में मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह के सवाल पर जवाब दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से दिए गए जवाब में बताया है कि जबलपुर के सिहोरा में आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन, निर्मला मिनरल्स और पैसिफिक एक्सपोर्ट द्वारा स्वीकृत मात्रा से अतिरिक्त खनन किया गया। इसके बावजूद शासन को 1,000 करोड़ रुपए की राशि जमा नहीं की गई। इसकी शिकायत आशुतोष मनु दीक्षित की ओर से ईओडब्ल्यू में 31 जनवरी 2025 को की गई थी। शिकायत के आधार पर मप्र खनिज साधन विभाग ने 23 अप्रैल को एक जांच दल गठित किया था। जांच दल ने 6 जून को अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिसमें तीनों खनन कंपनियों पर 443 करोड़ 4 लाख, 86 हजार 890 रुपए की वसूली निकाली है। इस राशि पर जीएसटी की वसूली अगल से तय की जाएगी।

इंदौर के छात्र की भोपाल में चाकू मारकर हत्या

भोपाल। भोपाल के अयोध्या नगर में मिनाल के सामने एक छात्र की तीन बदमाशों ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। विवाद गेट नंबर तीन के पड़ोस में बने पेट्रोल पंप से शुरू हुआ। जहां एक बाइक पर आए तीन बदमाश पहले पेट्रोल भरवाने की बात पर युवक से भिड़े थे। छात्र अपने दोस्त के साथ पहले से खड़ा था। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं की जा सकी है। टीआई महेश लिल्हारे ने बताया कि संस्कार बघेले (22) इंदौर का रहने वाला था। वह प्राइवेट कॉलेज से बीए एलएलबी कर रहा था। मंगलवार को घूमने के इरादे से भोपाल आया था। संस्कार यहां अयोध्या नगर में रहने वाले दोस्त के घर ठहरा था। दोस्त अनमोल के साथ वो बुधवार सुबह पांच बजे चाय पीने बाइक से स्टेशन के लिए रवाना हुआ। दोनों दोस्त पेट्रोल भरवाने के लिए मिनाल गेट नंबर तीन के पड़ोस में बने पेट्रोल पंप पर रुके।

ग्वालियर में गिरवी मकान बेचा, 10 लाख रुपए हड़पे

ग्वालियर। ग्वालियर में एक दंपती ने फाइनेंस कंपनी के पास गिरवी रखे अपने मकान का सौदा कर 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। मकान खरीदने और बेचने वालों के बीच अनुबंध के समय तय हुआ था कि मकान बेचने वाला ही लोन की राशि जमा करेगा पर ऐसा नहीं हुआ। लोन की राशि जमा न होने पर फाइनेंस कंपनी ने खरीदार को निकालकर मकान को सील कर दिया। मामले में पुलिस ने विक्रेता के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के वायु नगर की है। ये मकान एवेन्यू कॉलोनी निवासी नीलम राठौर ने खरीदा है। राठौर ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने आकाश देवोलिया एवं उसकी पत्नी चांदनी से एक मकान का सौदा 18 लाख में किया था। सौदा तय होने के समय आकाश देवोलिया ने हमें बताया कि इस मकान पर शुभम फाइनेंस कंपनी से 14 लाख रुपए का लोन है। आप 4 लाख मुझे दे देना और 14 लाख लोन के जमा कर देंगे।

इंदौर में बच्चा बेचने वाली महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा

इंदौर। इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में बच्चा बेचने वाली गैंग को पुलिस ने पकड़ा है। इनमें 6 महिलाएं और उनके 5 साथी पुरुष है। पुलिस का कहना है कि शिकायतकर्ता पहले से आरोपी महिलाओं को जानता था। उसने महिलाओं को बच्चा देने की डील की, जिसकी सूचना उसने पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को एफआईआर दर्ज की। शिकायतकर्ता का नाम रितेश व्यास है, जो आजाद नगर रहने वाला है। वह ऑटो पार्ट्स की दुकान में काम करता है। लगभग छह महीने पहले उसकी मुलाकात प्रमिला पति अविनाश साहू (निवासी मयूर नगर) और वंदना पति राजू मकवाना (निवासी टॉवर चौराहा) से मूसाखेड़ी चौराहे पर हुई थी। दोनों ने खुद को बुजुर्गों के लिए केयर सेंटर चलाने वाली बताया था। इसके बाद दोनों से रितेश की कई बार मुलाकात हुई। बातचीत के दौरान प्रमिला और वंदना ने रितेश को बताया कि वे उन लोगों की मदद करती हैं जो निस्संतान हैं और उन्हें बच्चे दिलाने का काम करती हैं। इस पर रितेश को दोनों पर शक हुआ। कुछ लोगों से जानकारी मिली कि वे पहले हीरानगर थाना क्षेत्र में बच्चा बेचने के मामले में जेल जा चुकी हैं। रितेश ने इस मामले की जानकारी अपने दोस्त को दी और दोनों ने मिलकर पुलिस से संपर्क किया।

हाइवे पर ढाबे-पेट्रोल पंप के सामने बने अवैध डिवाइडर कट

सुप्रीम कोर्ट रोड सेफ्टी कमेटी के चैयरमैन ने लिया संज्ञान, एनएचएआई ने शुरू किया अभियान

नगर संवाददाता

जबलपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचएआई) पर रोजाना भीषण हादसे हो रहे हैं। भारत सरकार भी समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर रहा है। लेकिन, हाईवे के किनारे बने ढाबा और पेट्रोल पंप हादसों को न्योता दे रहे हैं। इन्होंने अपने लाभ के लिए डिवाइडर को मिट्टी से भरकर अवैध रूप से वाहनों का स्टापेज बना दिया है। जिसके चलते ना सिर्फ हाईवे के बीच में वाहन खड़े हो रहे हैं बल्कि दुर्घटना भी तेजी से बढ़ी है। एनएच 30 के स्लीमनाबाद से जबलपुर होते हुए धूमा (सिवनी) तक अवैध तरीके से 60 से अधिक स्टापेज बनाए गए हैं। जिसके लिए ढाबा और पेट्रोल पंप संचालकों ने दोनों सड़कों के बीच में मिट्टी से भरकर बराबर कर दिया है। ऐसे में अब राइट से लेफ्ट और लेफ्ट से राइट जाने वाले वाहन कहीं से भी टर्न हो जाते हैं, नतीजन बड़ी दुर्घटना हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट कमेटी आन रोड सेफ्टी के चेयरमैन बीते एक माह से मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। उन्होंने देखा कि इंदौर, भोपाल, नरसिंहपुर में हाइवे पर अवैध डिवाइडर कट बनाए गए हैं।

कटनी जिले के स्लीमनाबाद से लेकर जबलपुर होते हुए नागपुर रोड में धूमा के बीच में एनएचएआई ने जांच की। इस दौरान 60 से अधिक स्थानों में हाईवे के बीच में अवैध रास्ता और स्टापेज बने मिले। एनएचएआई की तरफ से नोटिस भी दिए गए, लेकिन स्थिति जस की तस है। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट कमेटी आन रोड सेफ्टी कमेटी ने इस और

ध्यान देते हुए राज्य सरकार और एनएचएआई को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बीते एक सप्ताह के दौरान 50 से अधिक ऐसे स्थानों को जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्त किया गया है। जबलपुर-धूमा के पास में शिवहरे ढाबा और पेट्रोल पंप है। दोनों के मालिक एक ही है। इन्होंने अपने फायदे और अधिक से अधिक ग्राहकों को रोकने के लिए हाईवे के बीच में मिट्टी डालकर प्लेन कर दिया। ऐसे में नागपुर से जबलपुर और जबलपुर से नागपुर जाने वाली अधिकतर गाड़ी इसी ढाबे या फिर पेट्रोल पंप पर रुकती है।

एनएचएआई ने कई बार नोटिस जारी किया है। पुलिस से शिकायत भी की, लेकिन नतीजा सिफर ही रहा। बुधवार को एनएचएआई के अधिकारियों ने हाइवे के बीच में बिछाई गई मिट्टी को जेसीबी से अलग किया है। हिदायत दी है कि अगर फिर से ऐसा कृत्य किया जाता है, तो कानूनी कार्रवाई करते हुए स्न्नढ्ढक्र कराई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट कमेटी आन रोड सेफ्टी के चेयरमैन जस्टिस अभय मनोहर सप्रे सड़कों पर हो रहे हादसे को जानने के लिए लगातार अलग-अलग रोड में घूम-घूमकर देख रहे हैं।हाल ही में जस्टिस अभय मनोहर जब इंदौर, भोपाल और नरसिंहपुर दौरे पर थे, तब उन्होंने देखा कि हाईवे के बीच में अवैध तरीके से रोड को कट करते हुए डिवाइडर बनाए गए हैं, जिसके चलते वाहन चालक कहीं से भी गाड़ी को टर्न कर देता है। जिसके चलते गंभीर सड़क हादसे होते है। चेयरमैन जस्टिस अभय मनोहर के सख्त निर्देश के बाद राज्य सरकार और एनएचएआई ने अवैध डिवाइडर कट बनाने वालों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। जबलपुर में बीते एक सप्ताह के दौरान 50 से अधिक वह स्थान जहां पर कि डिवाइडर बनाए गए थे, उन्हें बंद किए गए हैं।

अब मेडिकल कॉलेजों में भी होंगे ब्रेन-डेड मरीज के अंगदान

ऑर्गन वेटिंग लिस्ट में महिलाओं को प्राथमिकता अभी सिर्फ एम्स भोपाल में ही यह सुविधा

नगर संवाददाता

भोपाल।एमपी के सभी ट्रॉमा सेंटर और मेडिकल कॉलेजों में ब्रेन-डेड मरीजों के अंग दान करने की व्यवस्था होगी। साथ ही ब्रेन डेड मरीज के परिवारों से अंगदान की मंजूरी के लिए जरूरी काउंसलिंग के लिए स्थायी काउंसलर की नियुक्ति भी की जाएगी। दरअसल, अंगदान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की गाइडलाइन आई है। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इनमें से कई का पालन पहले से किया जा रहा है। अब सरकारी अस्पतालों में ब्रेन-डेड मरीज से ऑर्गन डोनेशन के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। हृङ्खञ्जञ्जह्र से जारी निर्देश में कहा गया कि प्रदेश के सभी ट्रॉमा सेंटर्स में अंग एवं ऊतक प्राप्ति (ब्रेन-डेड मरीज से ऑर्गन डोनेशन) की व्यवस्था विकसित की जाए। उन्हें ञ्ज॥ह्रञ्ज अधिनियम के तहत अंग प्राप्ति केंद्र के रूप में पंजीकृत किया जाए। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों में भी चरणबद्ध तरीके से यह सुविधाएं विकसित की जाएं। भारत में हर साल 11 सौ के करीब ब्रेन-

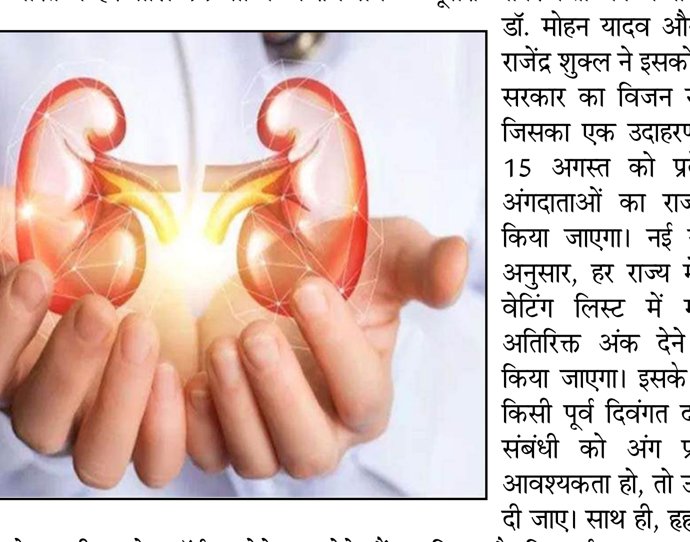

डेड मरीज से ऑर्गन डोनेशन होते हैं। जिसमें तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात की हिस्सेदारी 82त्न से अधिक है। वहीं, मध्यप्रदेश की 0.7 प्रतिशत, राजस्थान की 0.6 प्रतिशत और छत्तीसगढ की 0.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रहती है। इसकी दो बड़ी वजह हैं, इनमें पहली सरकारी अस्पतालों में ब्रेन-डेड मरीज से ऑर्गन डोनेशनकी व्यवस्था ना होना और दूसरी जागरूकता की कमी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इसको लेकर हाल में सरकार का विजन स्पष्ट किया है। जिसका एक उदाहरण यह कि इस 15 अगस्त को प्रदेश के सभी अंगदाताओं का राजकीय सम्मान किया जाएगा। नई गाइडलाइन के अनुसार, हर राज्य में अब ऑर्गन वेटिंग लिस्ट में महिलाओं को अतिरिक्त अंक देने का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा, यदि किसी पूर्व दिवंगत दाता के निकट संबंधी को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता हो, तो उसे प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, हृङ्खञ्जञ्जह्र ने साफ किया है कि नई गाइडलाइन का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, अंगदान में पारदर्शिता लाना और लैंगिक असमानता को दूर करना है। यही वजह है कि जन-जागरूकता को बढ़ाने के लिए राज्य स्तर पर ब्रांड एम्बेसडर भी नियुक्त किए जाएं।

अब 5000 के स्टाम्प पर होगा प्रॉपर्टी एग्रीमेंट

नगर संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगर आप शपथ पत्र बनवाना चाहते हैं तो अब आपको 500 रुपए तक खर्च करना पड़ेगा। किरायानामा और प्रॉपर्टी के लिए किए जाने वाले एग्रीमेंट पर भी 1500 से 7 हजार तक चुकाना पड़ेंगे। दरअसल, राज्य सरकार ने भारतीय स्टाम्प मध्यप्रदेश संशोधन विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी है। विधेयक में सेवाओं पर 500 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी एग्रीमेंट दस्तावेजों में लगने वाले स्टाम्प में की गई है। सरकार ने पंजीयन विभाग की 12 सेवाओं में बदलाव का फैसला किया है। जिसमें 9 का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। विधानसभा में बुधवार को इस विधेयक समेत 8 विधेयक पारित किए गए है। इधर, कांग्रेस ने शपथ पत्र, किरायानामा और एग्रीमेंट के लिए किए जाने वाले बदलावों का विरोध करते हुए विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। अब तक 50 रुपए के स्टाम्प टिकट के साथ 200 से 300 रुपए में शपथ पत्र बन जाता है।

एमपी में बारिश थमी...गर्मी का पारा चढ़ा

अगस्त का पहला सप्ताह सूखा बीता; 6 दिन में पौन इंच पानी गिरा

नगर संवाददाता

भोपाल। बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव नहीं होने से मध्यप्रदेश में अगस्त का पहला सप्ताह सूखा निकल गया। 6 दिन में पौन इंच पानी भी नहीं गिरा है। वहीं, अगले 4 दिन तक भारी बारिश होने के आसार भी नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस मानसूनी सीजन में पहली बार बारिश की इतनी खेंच हुई है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी एक मानसून ट्रफ, एक अन्य ट्रफ और एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की एक्टिविटी है, लेकिन प्रदेश में इसका कोई असर नहीं है। इस वजह से भारी बारिश का दौर थमा हुआ है। 10 अगस्त तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। कहीं-कहीं हल्की बारिश जरूर होगी। बुधवार को शिवपुरी में ही हल्की बूंदाबांदी हुई। दूसरी ओर, छतरपुर के खजुराहो में पारा 35 डिग्री पर पहुंच गया। ग्वालियर, रतलाम, श्योपुर, उज्जैन, ग्वालियर, दमोह, नौगांव, रीवा, सतना, सिवनी, उमरिया में पारा 33

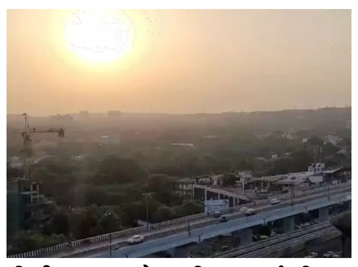

डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। वहीं, नर्मदापुरम, जबलपुर, मंडला, सीधी, टीकमगढ़ में 34 डिग्री के पार रहा। भोपाल में अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 31 जुलाई तक प्रदेश में औसत 28 इंच बारिश हो गई, लेकिन 1 से 6 अगस्त के बीच सिर्फ 0.7 इंच पानी ही गिरा। हालांकि, यह कुल कोटे की 77त्न है। वहीं, अब तक 40 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। ऐसे में बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा। हालांकि, अब तक ग्वालियर समेत 9 जिलों में कोटा पूरा हो चुका है, लेकिन इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों की तस्वीर बेहतर नहीं है।

---

3 दिन...7 मौत, पंडित प्रदीप मिश्रा पर कार्रवाई की मांग

नगर संवाददाता

भोपाल। सीहोर में पिछले तीन दिन में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम आए 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जिसके बाद सत्ताधारी दल भाजपा से लेकर कांग्रेस के विधायकों ने इस तरह के आयोजन पर सवाल उठाए हैं। सरकार ने मौतों की जांच कराने की बात कही है। पूर्व मंत्री कुसुम महदेले ने पंडित प्रदीप मिश्रा को रुद्राक्ष वितरण बंद करने की नसीहत दी है। इतना ही नहीं उन्होंने सरकार से पंडित प्रदीप मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। वहीं राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कुबेरेश्वर धाम आए लोगों की मौतों को लेकर न्यायिक जांच कराने की बात कही है। बता दें कि बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा ने सीहोर की सीवन नदी से कुबेरेश्वर धाम तक 11 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा निकाली। इस आयोजन में दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने का दावा किया गया। एक दिन पहले ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। मंगलवार को कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण के दौरान भगदड़ मच गई। जिसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि बुधवार को अलग-अलग कारणों से अलग-अलग जगहों पर तीन श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया।

न्यायिक-गैर न्यायिक विभाजन से नाराज, जमा कराई गाड़ियां

भोपाल में व्यवस्था से दूसरे दिन भी नाराज राजस्व अधिकारी; काम से बनाई दूरी

नगर संवाददाता

भोपाल। राजस्व अधिकारियों के न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन को लेकर गुरुवार को भी विरोध हो रहा है। भोपाल के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार कलेक्टोरेट पहुंचे और अपनी गाड़ियां जमा करा दी। भोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसीलें हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फिल्ड में नहीं है। वहीं, फिल्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे। इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे हैं। बुधवार को कोर्ट समेत अन्य काम उन्होंने नहीं किए थे। गुरुवार को भी ऐसी ही स्थिति है। इस वजह से आमजनों के कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। कोर्ट में प्रकरणों की सुनवाई नहीं हो रही तो जनता से जुड़े काम भी अटक रहे हैं। गुरुवार सुबह सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार एकसाथ कलेक्टोरेट पहुंचे। इसके बाद उन्होंने गाड़ियों की चाबियां

सौंप दी। इस संबंध में मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ राजस्व मंत्री वर्मा और सीनियर अधिकारियों के सामने अपनी बात रख चुका है। इस दौरान बताया गया था कि अगले 3 महीने के लिए 12 जिलों में ही पायलेट प्रोजेक्ट के तहत यह व्यवस्था लागू की जाएगी, लेकिन बाद में 9 और जिलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके चलते संघ के सभी जिला अध्यक्ष, प्रभारी और प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें 6 अगस्त से विरोध करने का फिर से निर्णय लिया गया। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीनचंद कुंभकार ने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के कई जिलों में राजस्व अधिकारी विरोध कर रहे हैं। भोपाल में भी असर देखने को मिल रहा है। विभाजन को लेकर संघ की बैठक हो चुकी है। इसमें संवर्ग में विभाजन की इस योजना के पूर्ण रूप से वापस नहीं होने तक सभी राजस्व अधिकारी आपदा प्रबंधन कार्यों को छोड़कर समस्त कार्यों से विरत रहते हुए जिला मुख्यालयों पर उपस्थित रहने का निर्णय लिया गया। हालांकि, कोई भी सामूहिक अवकाश या हड़ताल पर नहीं है। सभी राजस्व अधिकारी जिला मुख्यालय पर ही उपस्थित हैं। विरोध के चलते बुधवार को ही राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा था कि यह कैबिनेट का निर्णय है।

आयुष्मान में हमीदिया के अटके 6.6 करोड़ रुपए पास

नई व्यवस्था लागू, मरीजों का 24 घंटे में बनेगा आयुष्मान कार्ड

नगर संवाददाता

भोपाल। हमीदिया अस्पताल में आयुष्मान योजना से जुड़ी समस्याओं का बड़ा समाधान हुआ है। नई व्यवस्था लागू होने से दो साल से अटके 6.6 करोड़ रुपए के बिल पास हो गए हैं। साथ ही अब मरीजों के आयुष्मान कार्ड 24 घंटे में तैयार होंगे और डॉक्टरों को तय इंसेंटिव भी मिलेगा। वहीं दूसरी तरफ आयुष्मान मरीजों का कन्वर्जन रेट 35त्न (1 जुलाई) से बढ़कर 60त्न (1 अगस्त) तक पहुंच गया है। यह बदलाव पुराने खराब ट्रैक रिकॉर्ड को सुधराने के लिए किया गया है। दरअसल, मध्यप्रदेश की राजधानी में स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) आयुष्मान योजना के तहत इलाज मुहैया कराने में पिछड़ा हुआ था। जीएमसी के हमीदिया

अस्पताल में 1 जुलाई तक की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे मरीज जो आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र थे लेकिन उनके पास कार्ड नहीं था, उनका कन्वर्जन रेट सिर्फ 35 प्रतिशत था। यानी 100 मरीजों में से केवल 35 का कार्ड ही अस्पताल प्रबंधन बना पा रहा था। यही नहीं, आयुष्मान पोर्टल पर गलत या अधूरी जानकारी भरने के कारण पिछले दो साल में 6.62 करोड़ रुपए के बिल भी अटके थे। इस स्थिति को देखते हुए, आयुष्मान योजना की जिम्मेदारी हमीदिया अस्पताल प्रबंधन से लेकर जीएमसी प्रबंधन ने अपने पास ले ली है।

हमीदिया अस्पताल में पिछले 5 साल से आयुष्मान योजना का संचालन चुनौतीपूर्ण था। कम कन्वर्जन रेट, इलाज के बाद पोर्टल पर गलत जानकारी डालने से बिल अटकना और वेंडर का बकाया बढ़ने पर जरूरी सामान की सप्लाई रुक जाना बड़ी समस्या थी। पहले आयुष्मान योजना से मिलने वाली राशि से वेंडरों का भुगतान किया जाता था, जिससे डॉक्टरों को इंसेंटिव नहीं मिल पा रहा था। जीएमसी डीन डॉ. कविता एन सिंह ने बताया कि अब डॉक्टरों को आयुष्मान मरीज का इलाज करने पर तय इंसेंटिव मिलेगा। हमने वेंडरों के पुराने बिल चुका दिए हैं। अब आने वाली राशि से डॉक्टरों को इंसेंटिव और मरीजों की सुविधाओं पर खर्च होगा।

जीएमसी में 24 घंटे नो पेंडेंसी रूल लागू किया गया है। इसके तहत 15 नए आयुष्मान मित्र अपॉइन्ट किए गए हैं। हर क्लीनिकल विभाग में एक आयुष्मान कोऑर्डिनेटर भी बनाया गया है। ये विभागाध्यक्ष के साथ मिलकर सभी कार्य 24 घंटे में पूरे करेंगे। पेंडिंग कार्य की जानकारी रजिस्टर में दर्ज होगी और नोडल ऑफिसर द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। इधर, 15 अगस्त से आयुष्मान मित्र एप्रन पहनेंगे, जिस पर आयुष्मान मित्र का लोगो होगा ताकि मरीज और परिजन उन्हें आसानी से पहचान सकें। इसके अलावा कार्ड बनाने के लिए 13 नई बायोमैट्रिक मशीनें भी खरीदी गई हैं। पास हुई राशि से स्टोर में जरूरी दवाएं और कंज्यूमेबल्स पहले से उपलब्ध रखे जाएंगे, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

आरजीपीवी में हुई मारपीट, 2 छात्र 6 माह के लिए निलंबित

नगर संवाददाता

भोपाल। राजधानी भोपाल के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में छात्रावास में हुई मारपीट और रैगिंग के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। यूजीसी एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन को दर्ज शिकायत और जांच के बाद कुल 8 छात्रों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। 2 अगस्त की रात करीब 10 बजे यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) के बाल्टिक हॉस्टल और स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर (एसओए) हॉस्टल के छात्रों में कहासुनी मारपीट तक पहुंच गई। विवाद की शुरुआत एक फोन कॉल पर हुई थी। आरोप है कि फोन पर बात करने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों हॉस्टलों के छात्र डंडे और लोहे की रॉड लेकर आमने-सामने आ गए। इस झगड़े में कई छात्र घायल हुए, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। मारपीट का वीडियो भी सामने आया, जिससे मामला और गंभीर हो गया। 3 अगस्त को यह शिकायत यूजीसी एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन को मिली, जिसके बाद कार्रवाई शुरू हुई।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत जिले में गतिविधियाँ जारीं

जन अभियान परिषद से जुड़ी समितियों ने निकाली जन जागरण रैली

तीन चरणों में 15 अगस्त तक चलेगा यह अभियान

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

जिले में ÷हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता ¬ स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग÷ अभियान को प्रभावी ढंग से मूर्तरूप देने के लिये जगह-जगह जन जागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जन अभियान परिषद से जुड़ीं प्रस्फुटन व नवांकुर संस्थायें भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहीं हैं। ग्राम अमरोल व ककरधा की समितियों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता से गुरुवार को हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता ¬ स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग÷अभियान के तहत जन जागरण रैली निकाली। ज्ञात हो कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इस अभियान में शासकीय संस्थाओं के साथ-साथ सम्पूर्ण समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए उन्होंने विभागवार गतिविधियों का कलेण्डर भी तैयार कराया है।

अभियान के प्रति जागृत किया ,रैली निकाली

प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के विद्यार्थियों के साथ संवाद बैठक आयोजित कर ग्रामीणों को इस अभियान के प्रति जागृत किया गया, साथ ही रैली भी निकाली। विकासखंड भितरवार के जन अभियान परिषद के समन्वयक मनोज दुबे ने अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में इस अवसर पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर सभी ग्रामीण जनों से कहा कि वे 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों, कार्यालयों, प्रतिष्ठानों व वाहनों पर तिरंगा अवश्य लगाएं। साथ ही कहा कि झण्डा की गरिमा व सम्मान का ध्यान सभी लोग अवश्य

स्काउट गाइड ने पेड़ों को राखी बांध उनकी रक्षा करने का लिया संकल्प

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

ग्वालियर। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार ग्वालियर के भारत स्काउट एवं गाइड्स के तत्वाधान में वृक्षारोपण एवं पेड़ों को राखी बांधने का कार्यक्रम आयोजित किया गया । स्काउट गाइड्स ने पेड़-पौधों को तिलक लगा कर राखी बांधी और पेड़ पौधों को बचाने और अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने का संदेश दिया ताकि पर्यावरण अनुकूलित रह सके. इस दौरान वृक्षों की रक्षा करने का भी संकल्प लिया. पेड़ पौधों को राखी बांध कर नीम,पीपल,कनेर,गुलमोहर, गुड़हल के पौधे लगाए । गाइड कैप्टेन डॉ. दीप्ति गौड़ एवं स्काउटर डॉ प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में ये अभिनव आयोजन ओर नवाचारी कार्यक्रम किया गया । उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा यह सिर्फ एक प्रतीकात्मक रस्म नहीं, बल्कि एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव है, जिसमें पेड़ों को भाई की तरह मान उनकी रक्षा का संकल्प लिया है ।पेड़-पौधे हमें जीने के लिए स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं. इनके बिना हमारा जीवन अधूरा है. पेड़-पौधों की वजह से पर्यावरण संरक्षित रहता है. राखी को यूं तो भाई-बहन का अटूट प्रेम का बंधन के रूप में माना जाता है. भाई बहन का पवित्र त्योहार रक्षाबंधन को लेकर देशभर में तैयारियां शुरू हो गई है.

कल होगा रक्षाबंधन पर उपसर्गहर

विधानशिक्षा को जीवन में उतरना ही सच्चा धर्म पालन करना है:आचार्य सुबल सागर

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

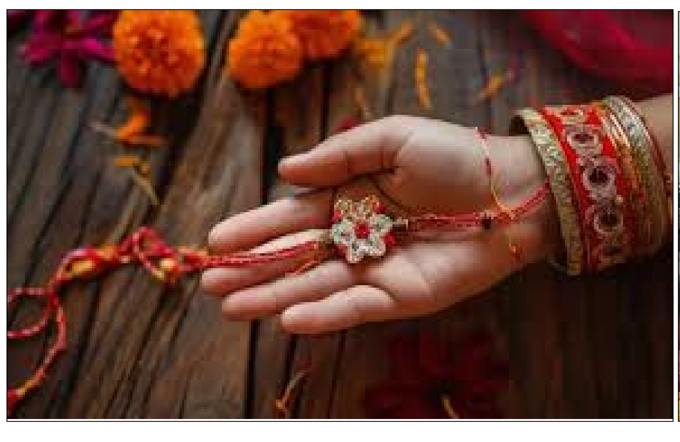

परम ।पूज्य आचार्यश्री सुबल सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में एवं सन्मति सुबल पावन वर्षायोग समिति की ओर से नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में 09 अगस्त शनिवार को प्रात: 6 ¬30 बजे से उपसर्गहर रक्षाबंधन विधान आयोजित किया जाएगा। जिसमे भगवान श्रेयांसनाथ के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्य सुबल सागर महाराज के सानिध्य में जैन समाज के कॉफी परिवार उपसर्गहर रक्षाबंधन विधान के मंडप पर पूजन अर्चना के दौरान 700 नारियल समर्पित करेंगे। इस दिन मुनिराज विष्णु कुमार ने 700 मुनियों पर हुए उपसर्ग को श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन दूर किया था। इस दिन को याद रखने के लिए लोगों ने हाथों में सूत की डोर बांधी थी। तभी से यह दिन रक्षाबंधन पर्व के रूप में जैन समाज के लोग इस त्यौहार को बड़े उत्साह के साथ बनाते है। वही आचार्य सुबल सागर महाराज सहित छह मुनिराजों ओर दो क्षुल्लक महाराजों की पिच्छिका में सकल जैन समाज के बच्चे, महिला ओर पुरुषगण राखियां रक्षासूत्र के तौर पर बांधकर रक्षा दिवस के रूप में पर्व बनाएंगे।

शिक्षा को जीवन में उतरना ही सच्चा धर्म पालन करना है:आचार्यश्री

आचार्य सुबल सागर महाराज ने चंपाबाग धर्मशील में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मानव को अपनी आत्मा, परिवार, समाज, देश संपूर्ण मानवता और प्राणी मात्र के साथ किस प्रकार का व्यवहार करना इसका कर्तव्य बोध जिस उपासना पद्धति के माध्यम से होता है, वही धर्म महान है। विश्व का प्रत्येक धर्म कर्तव्य के साथ ईमानदारी से जीने की शिक्षा प्रदान करता है। शिक्षा को जीवन में उतरना ही सच्चा धर्म पालन करना है।प्रत्येक व्यक्ति कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो जाए तो विश्व की संपूर्ण समस्याएं स्वत¬ हल हो जाएंगी, विश्व शांति की स्थापना हो जाएगी। प्रवचन से पूर्व आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल निर्मल पाटनी, बालचंद्र जैन, प्रवीण गंगवाल, कमलेश जैन, इंजी राजमल जैन, विनय कासलीवाल, वीरेंद्र बाबा, पंकज छाबड़ा, प्रमोद जैन, योगेश बोहरा, विकास जैन आदि ने किए।

निगमायुक्त ने की सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा

बकाया सम्पत्तिकर वसूली करने के दिए निर्देश

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा बैठक में सम्पत्तिकर की डुप्लीकेट आई.डी. हटाये जाने एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 तक बकाया वसूली एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक सम्पत्तिकर वसूली करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त मुनीष सिकरवार, उपायुक्त सम्पत्तिकर उत्तम जखैनिया, ए.पी.एस भदौरिया, मुकेश बंसल एवं रजनीश गुप्ता इसके साथ ही समस्त सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी, समस्त करसंग्रहक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगम मुख्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन वार्डो में सम्पत्तिकर डुप्लीकेट आई.डी. की संख्या अत्यधिक है एवं जिन वार्डो में वर्ष 2024-25 का सम्पत्तिकर बकाया राशि की वसूली नहीं की गई है, उन वार्डो के सम्पत्तिकर संग्रहकों कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही समस्त सम्पत्तिकर संग्रहकों से दिनांक 31 अगस्त 2025 तक वार्ड में एक भी डुप्लीकेट आईडी नहीं का प्रमाण पत्र दें। अगर किसी भी वार्ड में समय सीमा उपरांत डुप्लीकेट आईडी पाई जाती है तो संबंधित कर संग्रहक जिम्मेदार होगा।

शत-प्रतिशत वसूली करें

बैठक में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तक बकाया वसूली करने में किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो आवश्यकतानुसार दल-बल के सहयोग से शत-प्रतिशत वसूली करें एवं समस्त सम्पत्तिकर उपायुक्तों को भी निर्देशित किया गया कि आप कर संग्राहक एवं आर.आई. से समन्वय कर वसूली में सहयोग करें साथ ही यह भी सुनिश्चित कराया गया कि किसी भी वार्ड में गलत आई.डी. ना बने तथा परीक्षण करें यदि गलत आईडी पायी जाती है तो सम्बंधित के खिलाफ कार्यवाही करें।

अब वॉट्सएप पर भी मिलेगी नगर निगम की ऑनलाइन सेवाएं

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

नगर निगम ग्वालियर ने अपनी डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया है। अब नागरिक वाट्सऐप चैटबोट के माध्यम से विभिन्न नगरीय सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस नवीन पहल से लोगों को घर बैठे ही अपने शहर की सुविधाओं तक पहुंच मिलेगी। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि नगर निगम ग्वालियर के द्वारा व्हाट्सएप चैटबौट सेवा चालू की गई है। जिसमें उपभोक्ता अपनी संपत्ति कर एवं जलकर की आईडी को एवं रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर को लिखकर अपना संपत्ति कर एवं जलकर की कुल बकाया राशि देखना एवं अपना कर भी ऑनलाइन जमा कर सकता है।यह वाट्सऐप चैटबोट 24 घंटे उपलब्ध रहेगा, जिससे नागरिकों को किसी भी समय सूचना और सेवाएं प्राप्त करने में सुविधा होगी। नागरिकों को आधिकारिक वाट्सऐप नम्बर 7552465110 पर संदेश भेजना होगा और वे तुरंत इन सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। इसके साथ ही https://wa.me/message/MPLyFRwBwQTLEv?src=qr पर क्लीक कर सम्पूर्ण जानकारी मिल सकेगी।

हिंडोले में बिठाए महाराजश्री, कराया केसर स्नान

अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के पवित्रा महोत्सव का समापन, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद द्वारा मनाए जा रहे पवित्रा महोत्सव के तहत गुरुवार को गिर्राज धर्मशाला दौलतगंज में डिंडोला उत्सव (झूलन वल्लभवर सुखदाई) मनाया गया।इस अवसर केसर स्नान व आरती भी हुई। यहां सर्वप्रथम आकर्षक साज सज्जा के साथ डिंडोला की झांकी बनाई, जिसमें कोटा से आए वैष्णवाचार्य शरद कुमार महाराज को बिठाया गया। इसके बाद वैष्णवजन की मंडली ने संगीत के साथ भजन गाए, जिन पर कई श्रद्धालु झूम उठे। महाराज श्री का केसर स्नान कराया गया। आरती की गई, और प्रसादी के साथ इस आयोजन का समापन हुआ। इस मौके पर वैष्णवाचार्य शरद कुमार महाराज ने कहा कि हिंडोले, प्रकृति और छोटे बच्चों का जीवन में महत्व बताते हैं। इसी को धर्म से जोड़कर हिंडोला उत्सव मनाने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है। जिसमें सजे हुए हिंडोले में भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप को प्रतिष्ठित किया जाता है। इसमें इस बात का खास ध्यान रखा जाता है कि हिंडोले फूल, पत्ते, फल या फिर मोती आदि जैसी प्राकृतिक चीजों से ही सजाए जाते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष मोहन लाल अग्रवाल, सचिव कुम्भन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुरली मनोहर अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, यमुनेश नाहर, रामनारायण शर्मा, रामबाबू अग्रवाल, पुष्पा रस्तोगी, त्रिलोकीनाथ व्यास, सुधा मुखियानी, जमुनादास मुखिया, लक्ष्मण दास सिंघल, पुरुषोत्तम सिंहल, प्रणय अग्रवाल, अनुभव सिंघल, शशि किरण मुखिया, रजनीश व्यास, सीता नाहर आदि उपस्थित रहे।

गिरवी मकान बेचा,10 लाख रुपए हड़पे

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

फाइनेंस कंपनी ने खाली कराकर सील किया मकान, पुलिस ने दर्ज किया केस

ग्वालियर में एक दंपती ने फाइनेंस कंपनी के पास गिरवी रखे अपने मकान का सौदा कर 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। मकान खरीदने और बेचने वालों के बीच अनुबंध के समय तय हुआ था कि मकान बेचने वाला ही लोन की राशि जमा करेगा पर ऐसा नहीं हुआ। लोन की राशि जमा न होने पर फाइनेंस कंपनी ने खरीदार को निकालकर मकान को सील कर दिया। मामले में पुलिस ने विक्रेता के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के वायु नगर की है। ये मकान एवेन्यू कॉलोनी निवासी नीलम राठौर ने खरीदा है। राठौर ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने आकाश देवोलिया एवं उसकी पत्नी चांदनी से एक मकान का सौदा 18 लाख में किया था। सौदा तय होने के समय आकाश देवोलिया ने हमें बताया कि इस मकान पर शुभम फाइनेंस कंपनी से 14 लाख रुपए का लोन है। आप 4 लाख मुझे दे देना और 14 लाख लोन के जमा कर देंगे। उन्होंने बताया कि तय हुआ था कि 18 लाख देने के बाद मेरे नाम रजिस्ट्री करा दी जाएगी। बाद में आकाश ने कहा कि मैं ही सारी राशि फाइनेंस कंपनी को जमा कर दूंगा और अनुबंध करते हुए 10 लाख रुपए ले लिए। कुछ समय बाद शेष 8 लाख रुपए भी आकाश को दे दिए गए।

सुप्रीम इंडस्ट्रीज का पर्यावरण को लेकर महा आयोजन ,एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत , रोपे एक हजार से भी ज्यादा पौधे ,कलेक्टर बोले क्षेत्र की आबो हवा बदलने पेड़ जरूरी

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

मालनपुर /प्रकृति सुरक्षा एवं संरक्षा के तहत सरकार द्वारा देश भर में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम किए जा रहें है इसी मुहीम के तहत दि सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड मालनपुर के द्वारा मेगा प्लांटेशन प्रोगाम का आयोजन दिनांक 7 अगस्त 2025 को ग्रीन बेल्ट एरिया मालनपुर में एक साथ 1051 पौधे रोपित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन में चंबल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री (आईएएस) के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर भिंड संजीव श्रीवास्तव (आईएएस)तथा अन्य सम्मानीय मंचासीन अतिथि नगर परिषद मालनपुर अध्यक्षा श्रीमती राय श्री मुकेश किरार , पूर्व सरपंच मेहताब सिंह , पूर्व सरपंच मालनपुर सुरेंद्र शर्मा , सीजीएम एमपीआईडीसी डीके श्रीवास्तव , मुख्य नगर पालिका अधिकारी रेहान अली , जी एम (डी आई सी) अमित शर्मा , अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर सुश्री नम्रता सोनी , मुकुल चतुर्वेदी सूर्या रौशनी,आदित्य शुक्ला नोवा,अभिषेक प्रियदर्शी गोदरेज, विष्णु दत्त शर्मा वरिष्ठ समाजसेवी तथा सुप्रीम इकाइयों के प्लाट हेड आदि की मंचासीन उपस्थिति में आयोजित हुआ यह ग्रीन बेल्ट लगभग 16 एकड़ में डेवलप किया जाना है जिसकी आज दिनांक से शुरुआत हुई जो जल्द ही पूरा प्लांटेशन होकर मालनपुर के लिए एक सौगात सोप दी जाएगी। यह आज के समय की प्रमुख आवश्यकताओं में से है, दिनों दिन हो रहे प्रकृति के दोहन की भरपाई तो हम नहीं कर सकते पर एक अच्छी शुरुआत के साथ आगे बढ़े तो निश्चित रूप से एक स्वच्छ वातावरण बनाने में हम सहयोगी होंगे ऐसे वक्तव्य माननीय अतिथियों के द्वारा दिए गये। इस कार्यक्रम में समस्त अतिथियों का स्वागत- सम्मान कार्यक्रम के पश्चात मंचीय उद्बोधन हुआ जिसमें मंचासीन अतिथियो ने पेड़ों के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण पर लोगों को संबोधित किया तत्पश्चात पौधारोपण कार्यक्रम में सभी ने पौधारोपण किया। सभी अतिथि, समस्त इंडस्ट्रीज के आए पदाधिकारी, विभागीय अधिकारी, प्रिंट मीडिया एवं टेली मीडिया के पत्रकार गण, महिलाएं, स्कूली बच्चे एवं सुप्रीम इंडस्ट्रीज के सभी प्लांट के पदाधिकारी, कर्मचारीयो आदि के द्वारा एक पौधा मां के नाम रोपित किया गया।

खास खबर

काकाजी के व्यक्तित्व से हमें मिलती है सरलता की प्रेरणा

पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर को शहरवासियों ने दी पुष्पांजलि एवं भजनांजलि

निज प्रतिनिधि ग्वालियर।

पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर जी की 102 वीं जयंती पर आयोजित पुष्पांजलि एवं भजनांजलि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं शहरवासियों ने स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर जी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की तथा भजन गायक नवनीत कौशल द्वारा भजनों के माध्यम से स्व. श्री शेजवलकर को भजनांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत गार्डन में पौधारोपण किया गया। नारायण कृष्ण शेजलवकर प्रशासनिक भवन सिटी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में महापौर डॉक्टर शोभा सतीश सिंह सिकरवार, पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, यशवंत इंदापुरकर, सभापति मनोज सिंह तोमर, पूर्व मंत्री ध्यानेंद्र सिंह, अनूप मिश्रा, वरिष्ठ नेता कृष्णाचार्य गजेन्द्रगढ़कर, वेदप्रकाश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष जय प्रकाश राजौरिया, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, पूर्व सभापति गंगा राम बघेल, बृजेन्द्र सिंह जादौन लाल जी, उपनेता विपक्ष रवि तोमर, एमआईसी सदस्य नाथूराम ठेकेदार, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, पार्षद अनिल सांखला, गिर्राज कंसाना, ब्रजेश श्रीवास, श्रीमती मीरा मानसिंह राजपूत, विवेक त्रिपाटी, संजीव पोतनीज, श्रीमती रेखा त्रिपाटी, श्रीमती रेखा अनिल त्रिपाटी, श्रीमती ममता अजय तिवारी, सुश्री भावना कन्नोजिया, श्रीमती अंजना हरीबाबू शिवहरे, वरिष्ठ नेता कमल माखीजानी, रामेश्वर भदौरिया, अशोक शर्मा, डॉ. नीतेश शर्मा, पूर्व पार्षद श्रीमती खुशबू गुप्ता, सतीश बोहरे, जगत सिंह कौरव, धर्मेन्द्र कुशवाह, धर्मेन्द्र राणा, मुकेश परिहार, खेमचन्द्र गुरवानी, जवाहर प्रजापति एवं नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी एवं शहर के नगरीकरणों ने स्व. शेजवलकर को पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य ने स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर (काका जी) को याद करते हुए कहा कि मैं उन सौभाग्यशाली लोगों में से हूँ जिन्हें राजनीतिक जीवन के प्रारंभिक समय में काकाजी का मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ है। काकाजी का पूरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है, उन्होंने कार्यकर्ताओं के जीवन को गढने का कार्य किया तथा कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया और सम्मान दिया। उन्होंने ही हमें सिखाया है कि एक छोटे कार्यकर्ता को बडे दायित्व पर रहकर कैसे सम्मान किया जाता है। उन्होंने ही हमें सिखाया है कि संगठन में हमें समस्या नहीं समाधान बनकर कार्य करना चाहिए। काकाजी के व्यक्तित्व व कृतित्व से हम सभी को सरलता एवं सादगी से जीवन की प्रेरणा मिलती है।

काकाजी ने दलगत भावना से उठकर कार्य किया: महापौर डॉ. शोभा

महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने कहा कि काका जी का जीवन एक सच्चे जनप्रतिनिधि और समाजसेवी का जीवन था, उन्होंने हमेशा दलगत भावना से उठकर समाज एवं व्यक्ति के विकास के लिए कार्य किया है। शहर के विकास के लिए उनकी सोच दूरगामी थी। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। सभापति मनोज सिंह तोमर ने पुष्पाजंलि सभा में पधारे सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकगणों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आदरणीय काका जी के राजनैतिक और सामाजिक जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका व्यक्तित्व बडा ही सहज व सरल था।

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा · जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित · संपादक: महेन्द्र तिवारी · न डरते है न डराते है

कविता

प्रकृति की नाराज़गी हैं भयंकर...

नाराज़ प्रकृति की नाराज़गी हैं भयंकर,
स्वार्थवश संसाधनों का दोहन निरंतर।
प्रकृति-मानव का संबंध सदियों पुराना,
ऊपर उठाया लाभ चुरा लिया खजाना।
पिघल रहे ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन,
असमय बाढ़, सूखा, तूफान, भूस्खलन।
प्राकृतिक विपदाओं से जूझ रहा मानव,
मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका में दानव।
अचानक बाढ़ गांवों का अस्तित्व मिटा,
घटनाओं ने जन-धन का नुकसान लूटा।
इस भीषण तबाही के हम साक्षी बने हैं,
सालों की मेहनत 30 सेकंड लें चलें हैं।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

कविता

रक्षाबंधन

प्यारी-प्यारी बहनों के आनंद उल्लास अभिनंदन का,
भाई बहन का अनुपम प्यार पर्व सुहाना रक्षाबंधन का,
संकल्प सूत्र ये सुंदर पवित्रतम मंगलमय कामनाओं का,
आस विश्वास का संगम भाई बहन की भावनाओं का ।

मजबूत धागा ये आपसी समर्पण रिश्तों के प्रेम का,
शुभकामनाओं भरा त्यौहार भाई के कुशलक्षेम का,
भाई बहन की तकरार, मधुरता व आपसी हर्ष का,
रंग बिरंगे संजीव रंगों में सुवासित उत्सव उत्कर्ष का ।

द्रोपदी ने कृष्ण की कलाई पर बॉंधा धागा स्नेह का,
श्री कृष्ण ने चीर बढ़ाया वचनबद्ध आंतरिक नेह का,
पर्व प्यारा सनातन सांस्कृतिक सुंदर परम्पराओं का,
जहॉं पीढ़ी दर पीढ़ी जुड़ाव एक दुजे से खुशियों का ।

भाई करते हैं स्वागत सत्कार छोटी-बड़ी बहनों का,
सावन पूर्णिमा ये रस्म निभा प्यार पाते अपनों का,
भाई को होता है इंतजार बहन के घर आगमन का,
कलाई पर सजी राखी और बहन की मुस्कान का ।

भाई भी वचन देते बहन के मान सम्मान की रक्षा का,
ध्यान रखते पूरी उम्र अपनी बहन प्यारी सी सखा का,
नेह का अटूट बंधन धागा कलाई पर सजा रेशम का,
भाई की बलाओं से सुरक्षा व बहन के अनन्य प्रेम का ।

- मोनिका डागा आनंद , चेन्नई, तमिलनाडु
आपके स्नेह और प्यार का धन्यवाद !
रचना (स्वरचित व सर्वाधिकार सुरक्षित)

आओ नारी शक्ति को भारत की सफ़लता की गाथा बनाएं

भारतीय कौशल नारी सब पर भारी नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित करने की योजनाएं बनाना जरूरी बजट 2026 में नारी शक्ति को चिन्हित कर कार्यबल में भागीदारी की योजनाएं, स्कीम लाना समय की मांग वैश्विक स्तरपर भारतीय नारी की गाथा बहुत ही सम्मानजनक रूप से गाई जाती है, क्योंकि आदि अनादि काल से ही भारतीय नारी शक्ति की अनेक मान्यता प्राप्त कहानियों कथाओं से भी हमें पता चलता है कि नारी शक्ति की शक्ति तो देवी-देवताओं को भी करनी पड़ी थी, हम तो इस कलयुग में इंसान मात्र हैं। इसलिए हमें चाहिए कि नारी शक्ति का सम्मान कर उनको कार्यबल प्रदान करें जिसको भारत के विकास में प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित कर एक फ़रवरी 2026 को आने वाले बज़ट में ऐसी योजनाओं स्कीमों को लाया जाना चाहिए ताकि नारी शक्ति को कार्य बल में उचित भागीदारी मिले और भारत के तेज़ी से विकसित हो रहे पथ को अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

साथियों बात अगर हम नारी शक्ति को कार्यबल के रूप में चिन्हित करने की करें तो, हमने कई क्षेत्रों में देखे हैं कि नारी कार्यबल अपेक्षाकृत रूप से अधिक सशक्त व प्रभावी रिजल्ट देता है। हम अगर नर नारी के कार्यबल की गुणवत्ता का विश्लेषण करें तो, मेरा मानना है कि नारी बल गुणवत्ता में अधिक कुशल दिखेगा। जिसका मैंने खुद ने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर सत्यता परखी है। मैंने अनेक शोरूम ऑफिसेस दवाखाना वकील सीए अनेक प्रोफेशनल जगह कंपनियों में वहां के प्रमुख संचालकों, मैनेजरों अधिकृत व्यवस्थापकों से बात की तो उन्होंने भी नारी कार्यबल को अपेक्षाकृत अधिक सशक्त इमानदार रेगुलर जिम्मेदार ज़वाबदेही में अवल बताया और नारी कार्यबल को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की, क्योंकि नकारात्मक आदतें नारी कार्यबल में नहीं देखने को मिलती जितनी नर कार्यबल में देखने को मिलती है। उसी तरह नेतृत्व शक्ति में भी नारी

कार्यबल अधिक उच्च गुणवत्ता में अग्रणी ही है इसका उदाहरण हमें वैश्विक स्तरपर मूल भारतीय महिलाओं कल्पना चावला कमला हैरिस सहित अनेकों का नाम लिया जा सकता है। साथियों बात अगर हम 1 फ़रवरी 2026 को आने वाले बजट में नारी शक्ति कार्यबल के एंगल से देखें तो आज इसकी कार्य शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक बजट एलोकेशन की आवश्यकता है। कुछ ऐसी योजनाएं, इंसेंटिव, छूट दी जानी चाहिए ताकि नारी कार्यबल को प्राथमिकता दिए जाने पर प्रोत्साहन मिले। वैसे भी हम अभी अनेकों निजी कंपनियों में देखते हैं कि वहां नारी कार्यबल को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान समय की जरूरत भी है अब वक्त आ गया है कि नारी शक्ति के कार्य बल को बढ़ाने आरक्षण का बंधन भी तोड़ने की ज़रूरत है और उच्च कौशल्या के आधार पर नारी कार्यबल की सेवा राजनीतिक, औद्योगिक शैक्षणिक सहित हर क्षेत्र में ली जानी चाहिए। भारतीय कौशल नारी सबपर भारी की थींम को आगे बढ़ाया जाए साथियों बात अगर हम माननीय पीएम नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रीयों व विशेषज्ञों से बातचीत की करें तो उन्होंने भी,नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित किया और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को और सक्षम बनाने के साथ-साथ उसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया, उन्होंने आज नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।विचार-विमर्श वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत का विकास और दृढ़ता विषय पर आधारित था। अपनी टिप्पणी में कहा कि, जहां जोखिम थे, वहीं उभरता हुआ वैश्विक वातावरण डिजिटलीकरण, ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि जैसे क्षेत्रों में नए और विविध अवसर प्रदान करता है। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को तालमेल का लाभ उठाने और लीक से हटकर सोचने की जरूरत है। उन्होंने भारत डिजिटल की सफलता की गाथा और देश भर में फिनटेक को तेजी से अपनाने, और समावेशी विकास और इसके दृढ़ संकल्प की क्षमता की सराहना की। बैठक में प्रतिभागियों ने उन तरीकों पर व्यावहारिक उपायों की पेशकश की, जिनसे भारत अपने विकास की गति को विवेकपूर्ण ढंग से बनाए रख सकता है। कृषि से लेकर विनिर्माण तक विविध विषयों पर प्रधानमंत्री के साथ विचार और सुझाव साझा किए गए। यह स्वीकार करते हुए कि अंतर्निहित वैश्विक प्रतिकूलताएं जारी रहने की संभावना है, भारत की दृढ़ता को और मजबूत करने के लिए रणनीतिक सिफारिशें भी साझा की गईं। इस बात पर सहमति कायम हुई कि अपने लचीलेपन के कारण, भारत अशांत वैश्विक मंच पर एक उज्ज्वल स्थान बनाकर उभरा है। यह सुझाव दिया गया था कि सभी क्षेत्रों में समग्र विकास के माध्यम से इस नींव पर नए सिरे से विकास पर जोर देने की आवश्यकता होगी। हर नारी अपनी प्रतिभा के साथ न्याय कर पाये , अपने अरमानो को पंख लगाने का जज्बा रखे और उन्हें पूरा करने का होंसला रखे । किसी से कोई खैरात नहीं, कोई पक्षपात नहीं , अपने बलबूते पर मंज़िल हांसिल करने माद्दा रखे।

साथियों बात अगर हम बड़ी संख्या में अभी भी महिलाओं की वर्तमान स्थिति की करें तो, वर्तमान युग में महिलाओं को मात्र भोग विलास की वस्तु बना कर रख दिया गया है। जिसका मूल काम घर में रहकर चूल्हा चौका करना तथा परिवार की देखभाल करना रह गया है। आज के समय जहां विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है वहीं दूसरी तरफ महिलाओं का कुछ ऐसा वर्ग भी है जिन्हें उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। इस कुप्रथा को दूर करने के लिए हर किसी को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। जब तक हम अपनी मानसिकता को नहीं बदलकर स्त्रियों को साथ नहीं लेंगे तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास मुमकिन नहीं हो पाएगा।भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि उसके विकास में पुरुष तथा स्त्रियों का समान प्रयास हुआ करता था। लेकिन जैसे-जैसे स्त्रियों के विकास का अनुपात कम होता गया वैसे वैसे भारत का गौरव भी धूमिल पड़ता गया।भारतीय महिलाओं का इतिहास में योगदान अप्रतिम रहा है। सिर्फ स्वाधीनता संग्राम के समय को देखा जाए तो भारतीय महिलाओं का योगदान अगणनीय ही प्राप्त होगा। स्वाधीनता संग्राम के दौरान महारानी लक्ष्मीबाई, विजयालक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, सरोजिनी नायडू, कमला नेहरु, सुचेता कृपलानी, मणीबेन पटेल अमृत कौर जैसी स्त्रियों ने आगे आकर अपना अप्रतिम योगदान दिया। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय कौशल नारी सबपर भारी। आओ नारीशक्ति को भारत की सफ़लता की गाथा बताएं। नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित करने की योजनाएं बनाना ज़रूरी। बजट 2026 में नारी शक्ति को चिन्हित कर कार्यबल में भागीदारी की योजना स्कीम लाना समय की मांग है।

लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर

बातचीत से पहले दबाव बनाने की कोशिश या बड़ी लड़ाई का संकेत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50

प्रतिशत थोप दिया है। ट्रंप के ट्रेड फतवों को खारिज कर मोदी ने अमेरिका को भारत की ताकत का अहसास करा दिया है ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि,卐हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

लेखक - संतोष कुमार पाठक

आस्था
श्रावण माह के शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि दिन शुक्रवार

नाराज़ प्रकृति की नाराज़गी से भयंकर सैलाब- प्रकृति की मानवीय कृतिय क़े लापरवाही की चेतावनी तो नहीं?

प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन दिए-मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया? धराली व किन्नौर में आपदा से तबाही - क्या यह आपदाएं प्राकृतिक चक्र है ? या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी है? प्रकृति और मानव का संबंध सदियों पुराना है। जहां एक ओर प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन-जल, वायु,मृदा,खनिज, वन, जीव-जंतु आदि- प्रदान किए हैं, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया,महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया। आज जब पृथ्वी जलवायु परिवर्तन,ग्लेशियरों के पिघलने, असमय बाढ़,सूखा,तूफान, भूकंप, भूस्खलन जैसी तमाम प्राकृतिक विपदाओं से जूझ रही है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह केवल प्राकृतिक चक्र है या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी है? हम इसी प्रश्न की पड़ताल करेंगे और तथ्यों के आधार पर यह सिद्ध करेंगे कि धराली व किन्नौर में आपदा से तबाही- क्या यह आपदाएं प्राकृतिक चक्र है या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता? साथियों बात अगर हम,भारत के हिमालयी क्षेत्र,विशेषकर उत्तराखंड का धराली गांव और हिमाचल प्रदेश का किन्नौर, हाल ही में भीषण प्राकृतिक तबाही के साक्षी बने हैं, की करें तो बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारीनुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया- क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय लालच, अंधाधुंध निर्माण, खनन और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों का नतीजा?भारत के हिमालयी क्षेत्र, विशेषकर उत्तराखंड का धराली गांव और हिमाचल प्रदेश का किन्नौर, हाल ही में भीषण प्राकृतिक तबाही के साक्षी बने हैं। बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारी नुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया-क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय लालच, अंधाधुंध निर्माण, खनन और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों का नतीजा?इस लेख में हम धराली और किन्नौर की घटनाओं का विस्तारपूर्वक विश्लेषण करेंगे, और यह समझने की कोशिश करेंगे कि कैसे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, असंवेदनशील विकास, और पर्यावरणीय चेतावनियों की अनदेखी ने इन शांत पर्वतीय क्षेत्रों को विनाश के मुहाने पर ला खड़ा किया। (1) बिना पर्यावरणीय मूल्यांकन के सड़कों और सुरंगों का निर्माण हो रहा है। (2) पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर हाईवे बनाए जा रहे हैं। (3) जलविद्युत परियोजनाएं नदियों के प्रवाह को रोककर क्षेत्रीय इकोसिस्टम को ध्वस्त कर रही हैं। (4) पेड़ कट रहे हैं, और कंक्रीट के जंगल उगाए जा रहे हैं।इनका परिणाम:-- (1) ज़मीन की पकड़ कमजोर हो जाती है। (2) पानी का स्तर गिरता है।(3) पारिस्थितिक असंतुलन बढ़ता है। (4) बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आम हो जाती हैं। चार धाम सड़क परियोजना:-- उत्तराखंड में चार धाम सड़क परियोजना के नाम पर हज़ारों पेड़ों की कटाई की गई। पर्यावरणविदों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यह इलाका भूस्खलन-प्रवण है।

फिर भी सड़कों को चौड़ा करने के लिए बड़े-बड़े हिस्सों को नष्ट कर दिया गया ।पर्यटन का असंवेदनशील विस्तार:-- किन्नौर और धराली जैसे क्षेत्र अब 卐टूरिज्म हॉटस्पॉट卐 बन गए हैं। इसके चलते:- (1) अवैज्ञानिक होटल निर्माण हुआ। (2) जैविक अपशिष्ट नदियों में फेंका गया। (3) वॉटर रीसोर्सेज़ पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।(4) स्थायी जनसंख्या से अधिक वाहनों का प्रवेश हुआ।:-- अवैध खनन और निर्माण कार्य(1) किन्नौर के पहाड़ों में अवैध खनन बहुत वर्षों से चल रहा है। (2) स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक चुप्पी रही। (3) यह गतिविधियाँ भूगर्भीय अस्थिरता को और बढ़ावा देती हैं, जिसे रेखांकित करना होगा। साथियों बातें कर हम धराली उत्तराखंड के बाद किन्नौर हिमाचल प्रदेश में 6 अगस्त 2025 को बादल फटने की करें तोधराली के बाद हिमाचल प्रदेश में भी हालात खराब दिखाई दे रहे हैं,उत्तरकाशी में नदी के बढ़े जलस्तर व आस-पास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। धराली उत्तरकाशी में सभी सरकारी एजेंसियां, विभाग और सेना आपसी समन्वय से राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। बीती रात 130 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। बंद रास्तों को खोला जा रहा है और प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तराखंड के सीएम का कहना है,पूरा धराली आपदा की चपेट में आ गया है, और कल की घटना के बाद वहां कई चरणों में मलबा आया है. मैंने आज वहां जाकर लोगों से मुलाकात की, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली, आपदा से सब कुछ तबाह हो गया, इसके साथ ही शाम तक सेना के जवानों ने करीब 190 लोगों को बचा लिया है,उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है, अभी घायलों को भी वहां से रेस्क्यू कर उत्तरकाशी लाया जा रहा है,कई जगहों पर भूस्खलन से पूरा संपर्क मार्ग पूरी तरह प्रभावित हुआ है ।सरकार सभी व्यवस्थाएं करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, प्रधानमंत्री ने भी हमें हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है,और उनके मार्गदर्शन में हम आपदा पीड़ितों की समुचित मदद करेंगे,यह स्पष्ट है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे कटाव, भूस्खलन और सडक़ों के धंसने जैसी आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि मानव की अविवेकपूर्ण योजनाएं, लालची विकास मॉडल और पर्यावरणीय उपेक्षा ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। जब तक विकास की दिशा में संतुलन और संवेदनशीलता नहीं लाई जाती, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। साथियों बात अगर हम आज पृथ्वी पर पर्यावरण के संतुलनया पर्यावरण को अपने हिसाब से इस तरह महसूस करने की करें तो (1) हिमालय से ग्लेशियरों के पिघलनेकी तेज गतिके चलते समुद्रक़ाजलस्तर 1.5 मिली मीटर प्रतिवर्ष बढ़ रहा है,जिस कारण वायु प्रदूषण ग्रीन हाइड्रो गैसों के कारण यह सब हो रहा है, दूसरा धरती अपनी धुरी से एक डिग्री तक खिसक गई है,वन तेजी से कम हो रहे हैं व पर्यावरण कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ रहा है (2) पांच जगह पर अधिक खनन हो रहा है,नदी के पास,पहाड़ की कटाई,खनिज धातु खनन, समुद्री इलाकोंमें खनन, पानी के लिए धरती क्षेत्र में बोरिंग रेत गिट्टी हीरा कोयला तेल पेट्रोल के लिए कई हजारों फीट खुदाई। (3) जलवायु में ऑक्सीजन का घटना भी कारण है, क्योंकि जंगलों में कटाई से ऑक्सीजन की मात्रा घटने स्वाभाविक ही है। (4) अल्ट्रा वायरस किरणों का खतरा भी बढ़ गया है। (5) सबसे बड़ा परिणाम हम देख रहे हैं कि जलसंकट गहराता जा रहा है क्योंकि विभिन्न प्रकार के बनाए गए बांध व मानवीय खुराफात के कारण जल अपव्यय हो रहा है।यह सबघटनाएं हम मानवीय खुरापात के कारण हो रही है और हम उन्हें रोकने में असमर्थ हो रहे हैं, अगर हमें पृथ्वी को बचाना है तो पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना होगा, क्योंकि धरती मां को पर्यावरण प्रदूषण से बचाना परम मानवीय धर्म है, साथियों बातें अगर हम जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप की करें तो जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न प्राकृतिक आपदाएं अब केवल भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुकी हैं। हर वर्ष हम सैकड़ों जानें, करोड़ों रुपये की संपत्ति, और बहुमूल्य पर्यावरणीय संसाधन खोते जा रहे हैं। इन सबके पीछे यदि कोई सबसे बड़ा कारण है तो वह है-मानव का प्रकृति में अनियंत्रित हस्तक्षेप। अब भी समय है कि हम अपनी विकास की परिभाषा को पुनः गढ़ें-एक ऐसी परिभाषा जो सतत हो, समावेशी हो, और पारिस्थितिकी के अनुकूल हो। यदि हमने अब भी नहीं सीखा,तो प्रकृति का प्रतिशोध कहीं अधिक विनाशकारी होगा,जिसकी कीमत पूरी मानवता को चुकानी पड़ेगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नाराज़ प्रकृति की नाराज़गी से भयंकर सैलाब- प्रकृति की मानवीय कृतिय क़े लापरवाही की चेतावनी तो नहीं?प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन दिए-मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया?धराली व किन्नौर में आपदा से तबाही- क्या यह आपदाएं प्राकृतिक चक्र है? या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी है?

लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

कविता

छोटी सी ज़िंदगी है..

छोटी सी ज़िंदगी है, बड़े बड़े हैं झमेले
सुबह शाम लगते रहेंगे यहाँ मेले

जन्म मिलेगा न दोबारा, क्यों हो तुम अकेले
रिश्ते बनाओ औऱ निभाओ, क्यों हैं मन मटमेले
ज़िंदगी की राहें चलती रहेंगी यूँ हीं
क्यों चल दिए हो तुम सामान अपना समेटे

सुख दुःख तो रात औऱ दिन बन कर आते जाते रहेंगे

यहाँ समय ने तो हैं सारे खेल खेले

वही जिंदा दिल रहते हैं दुनिया में
जो जीते हैं बनकर सबसे अलबेले

छोटी सी ज़िंदगी है, बड़े बड़े हैं झमेले
सुबह शाम लगते रहेंगे यहाँ मेले

वंदना घनश्याला की कलम से

अगस्त में घूमने जाने का है प्लान तो आईआरसीटीसी के इन टूर पैकेज पर डालें एक नजर, जानें पूरी आइटिनरी

अगस्त के महीना शुरू होते ही ढ्ढक्रञ्जष्ट ने यात्रियों के लिए बजट वाले टूर पैकेज को लाइव कर दिया है। इन पैकेज से यात्रा करने के इच्छुक लोग सिर्फ अगस्त महीने में ही नहीं बल्कि आने वाले महीनों में भी सफर कर सकते हैं। भारतीय रेलवे की वेबसाइट पर आपको हर तरह के टूर पैकेज मिल जाएंगे। अगस्त के महीना शुरू होते ही ढ्ढक्रञ्जष्ट ने यात्रियों के लिए बजट वाले टूर पैकेज को लाइव कर दिया है। इन पैकेज से यात्रा करने के इच्छुक लोग सिर्फ अगस्त महीने में ही नहीं बल्कि आने वाले महीनों में भी सफर कर सकते हैं। बता दें कि भारतीय रेलवे की वेबसाइट पर आपको हर तरह के टूर पैकेज मिल जाएंगे। इनमें से कुछ टूर पैकेज ऐसे हैं, जिनमें फ्लाइट से सफर करने का मौका मिलेगा। तो वहीं कुछ टूर पैकेज में बस और ट्रेन से यात्रा करने का मौका मिलता है। ऐसे में आप अपनी पसंद के हिसाब से टिकट बुक कर सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ढ्ढक्रञ्जष्ट द्वारा कराए जाने वाले अगस्त के सस्ते टूर पैकेज के बारे में बताने जा रहे हैं। अगस्त में केरल की इन हसीन जगहों को करें एक्सप्लोर, पार्टनर के साथ बिता सकेंगे रोमांटिक पल अहमदाबाद और वडोदरा टूर पैकेज इस टूर पैकेज की शुरूआत मुंबई से हो रही है।

इस दौरान ट्रेन से यात्रा करने का मौका मिलेगा। इस पैकेज में 4 रात और 5 दिनों की यात्रा कराई जाएगी। यह टूर पैकेज 06 अगस्त से शुरू हो रहा है। इसके बाद हर बुधवार इससे सफर कर सकती हैं। इस टूर पैकेज का नाम KEVADIA WITH AHMEDABAD & AMBAJI DARSHAN EX MUMBAI है। अकेले यात्रा करने पर 48700 रुपये देने होंगे। वहीं 2 लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति 27540 रुपये देने होंगे। तीन लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति 22820 रुपये देने होंगे। भारतीय रेल की ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट बुक कर सकते हैं। आबू रोड, उदयपुर, जोधपुर और अजमेर इस टूर पैकेज की शुरूआत चंडीगढ़ से होगी। इस टूर पैकेज में ट्रेन से सफर कराया जाएगा। यह पैकेज 7 रात और 8 दिन का है। यह टूर पैकेज 08 अगस्त 2025 से शुरू हो रहा है। वहीं इसके बाद हर शुक्रवार इससे सफर किया जा सकता है। इसका नाम चंडीगढ़ टू राजस्थान है। इस टूर में अकेले यात्रा करने पर 35,730 रुपये देने होंगे। वहीं दो लोगों के यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति 25,130 रुपये पैकेज फीस है। इसके साथ ही 3 लोगों के साथ यात्रा करने पर पैकेज फीस 23,215 रुपये है। इस टूर पैकेज में ट्रेन से यात्रा कराई जाएगी और घूमने के लिए कैब सुविधा भी मिलेगी। मुरुदेश्वर, श्रृंगेरी और उडुपी टूर पैकेज इस टूर पैकेज की शुरूआत हैदराबाद से होगी। इस दौरान यात्रियों को ट्रेन से यात्रा करने का मौका मिलेगा। यह टूर पैकेज 5 रात और 6 दिनों का है। 05 अगस्त से इस टूर पैकेज की शुरूआत हो चुकी है। इसके बाद आप हर मंगलवार को इस टूर में शामिल हो सकती हैं। इसका नाम COASTAL KARNATAK है। इस दौरान अकेले यात्रा करने पर 16430 रुपये देने होंगे। वहीं 2 लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति 14110 रुपये है। अगर आप 3 लोग यात्रा कर रहे हैं, तो 8,590 रुपए प्रति व्यक्ति देने होंगे। IRCTC के टूर पैकेज में मिलने वाली सुविधाओं को ध्यान से पढ़ने के बाद ही टिकट बुक करें।

ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं में हो सकती है पोषक तत्वों की कमी

क्या आपने सोचा है कि जिस तरह से महिलाएं अपने नवजात बच्चे की सेहत के हिसाब से डाइट प्लान करती हैं। ऐसे में ब्रेस्टफीड कराने का उनकी सेहत पर क्या असर पड़ता है। ऐसे में एक सवाल यह भी है कि क्या ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। अक्सर लोगों से आपने यह कहते सुना होगा कि हर महिला को अपने नवजात बच्चे को बेस्टफ्रीड करवाना चाहिए। जिससे कि नवजात बच्चे को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। इसलिए मां को हेल्दी डाइट लेने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि मां जैसी डाइट लेती है, वैसा ही बच्चे की सेहत होती है। इसलिए अगर महिला ऐसी चीजें खा ले, जिससे ब्लोटिंग और गैस की दिक्कत तो सकती है, तो बच्चे की भी सेहत खराब हो जाती है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि जिस तरह से महिलाएं अपने नवजात बच्चे की सेहत के हिसाब से डाइट प्लान करती हैं। ऐसे में ब्रेस्टफीड कराने का उनकी सेहत पर क्या असर पड़ता है। ऐसे में एक सवाल यह भी है कि क्या ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। शरीर में हीमोग्लोबिन कम होने पर दिखते हैं ये लक्षण, खून की कमी दूर करने के लिए रोजाना पिएं ये ड्रिंक

महिलाओं में पोषक तत्वों की कमी

ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं की हेल्थ पर इसका असर पड़ता है। अगर महिला को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता है, तो बच्चे के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। कुछ महिलाएं ब्रेस्टफीड कराने के कारण कमजोर हो जाती हैं। जिस कारण वह थकान से भरी रहती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो बच्चे के लिए मां का दूध सभी तरह के पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। इसलिए मां जो खाती हैं, उसका पोषक तत्व दूध के जरिए बच्चे तक पहुंच जाता है। कई बार ब्रेस्टफीड कराने से महिलाओं का वेट भी कम हो जाता है।

पोषक तत्वों की जरूरत का बढ़ना

जो भी महिलाएं ब्रेस्टफीड कराती हैं, तो उनके द्वारा खाई हर चीज से मिला पोषण बच्चे को भी मिलता है। ऐसे में महिलाओं को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत होती है। खानपान की बात करें, तो कई महिलाएं ब्रेस्टफीड के समय भी दिन में तीन में बार हैवी मील लेती हैं। जबकि बच्चा थोड़ी-थोड़ी देर में दूध की डिमांड करता है। जिससे मां के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

सीमित चीजों का सेवन

ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाएं उन चीजों का सेवन नहीं करती हैं, जिसका बच्चे की सेहत पर निगेटिव असर हो। जैसे डिलीवरी के कुछ दिनों बाद तक महिलाएं बंदगोभी, फूलगोभी, चने, राजमा और छोले जैसी चीजों का सेवन नहीं करती हैं। वहीं जो महिलाएं नॉनवेज खाती हैं, वह कुछ समय के लिए इसको भी छोड़ देती हैं। जिससे महिलाओं के पास पौष्टिक चीजों के ऑप्शन कम रह जाते हैं। वहीं बार-बार एक ही चीज खाने से महिलाओं की डाइट में भी कमी आती है और उनको पर्याप्त पोषण नहीं मिलता है।

किस तरह के पोषक तत्वों की जरूरत

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, महिलाओं में ब्रेस्टफीडिंग के दौरान कई अहम पोषक तत्व कम हो सकते हैं। जिनमें प्रोटीन, कैलोरी, विटामिन और मिनरल्स आदि ।।।।

महिलाओं से औसतन 7 साल कम जीते हैं पुरुष, जानें क्यों घट रही है उनकी उम्र

महिलाओं से कम जीते हैं पुरुष, इसके पीछे कई कारण हैं। जोखिम लेने की आदत, खतरनाक काम, दिल की बीमारियां, डॉक्टरों से दूरी और मानसिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान देना पुरुषों के जीवनकाल को कम करता है। अपनी जीवनशैली में सुधार और समय पर चिकित्सकीय मदद लेकर पुरुष भी लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है कि हमारे आस-पास ज्यादातर बुजुर्ग महिलाएं होती हैं? और जब हम किसी बडे ग्रुप को देखते हैं, तो वहां भी पुरुषों के मुक़ाबले महिलाएं ज्यादा होती हैं। अगर आप ध्यान से देखेंगे, तो यह कोई संयोग

नहीं है। आंकडे बताते हैं कि औसतन, महिलाएं पुरुषों से ज्यादा जीती हैं। दुनिया भर में, महिलाओं का जीवनकाल पुरुषों से लगभग 7 साल ज्यादा होता है। 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में, 57त्न महिलाएं होती हैं, और 85 साल की उम्र तक तो यह आंकडा 67त्न तक पहुंच जाता है। तो, पुरुषों को क्या हो जाता है? क्यों औसतन वे जल्दी दुनिया को अलविदा कह देते हैं? इसके पीछे कई वजहें हैं, जो बचपन से ही शुरू हो जाती हैं और धीरे-धीरे इस अंतर को बढाती जाती हैं। टूटने की कगार पर पहुंच गया है आपका रिश्ता? एक्सपर्ट्स की इन बातों से सुधरेगी बात

रिस्क लेने की आदत

पुरुषों में जोखिम उठाने की प्रवृत्ति ज्यादा होती है, और इसकी वजह कहीं न कहीं हमारी जैविक बनावट से जुडी हुई है। हमारा दिमाग, खासकर वो हिस्सा जो फैसले लेने और उसके नतीजों के बारे में सोचने में मदद करता है, वो लडकों में लडकियों के मुकाबले थोडा धीरे विकसित होता है। यही वजह है कि दुर्घटनाओं, जैसे बाइक रेसिंग, नशे में गाडी चलाना या हिंसा में ज्यादातर पुरुष ही जान गंवाते हैं। यह आदत सिर्फ़ खतरनाक कामों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे कई पुरुष धूम्रपान या बहुत ज्यादा शराब पीने जैसी गलत आदतों में भी पड जाते हैं।

खतरनाक काम

कुछ सबसे खतरनाक और जोखिम भरे काम, जैसे सेना, फायरफाइटिंग और कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करना, इन सब में पुरुषों की संख्या महिलाओं से कहीं ज्यादा होती है। इन कामों में जान का खतरा भी ज्यादा होता है।

दिल की बीमारी

पुरुष दिल की बीमारियों से ज्यादा और कम उम्र में मरते हैं। आंकडों के अनुसार, पुरुषों में महिलाओं की तुलना में दिल की बीमारी से मरने की संभावना 50त्न ज्यादा होती है। इसका एक कारण एस्ट्रोजन हॉर्मोन का कम होना भी हो सकता है, लेकिन साथ ही, खराब लाइफस्टाइल और इलाज न करवाया गया हाई ब्लड प्रेशर भी इसका एक बडा कारण है।

रक्षाबंधन पर न्यू लुक पाने के लिए कैरी करें फ्लोरल प्रिंट लहंगे, दिखेंगी सबसे सुंदर

रक्षाबंधन का पर्व आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सुंदर और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले फ्लोरल प्रिंट लहंगे दिखा रहे हैं। जोकि रक्षाबंधन के मौके पर पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। रक्षाबंधन का पर्व आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सुंदर और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं। इस खास मौके पर महिलाएं सूट या फिर साड़ी पहनना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप भी इस रक्षाबंधन अपने लुक को न्यू ट्विस्ट देना चाहती हैं, तो आप सूट या साड़ी की बजाय इस बार फ्लोरल प्रिंट लहंगा पहन सकती हैं। यह लहंगा ट्रेडिशनल और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। साथ ही इसको पहनकर आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले फ्लोरल प्रिंट लहंगे दिखा रहे हैं। जोकि रक्षाबंधन के मौके पर पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

प्रिंटेड फ्लोरल प्रिंट लहंगा

स्टाइलिश लुक के लिए आप रक्षाबंधन के मौके पर हॉल्टर नेक डिजाइन वाले प्रिंटेड फ्लोरल प्रिंट लहंगा कैरी कर सकती हैं। यह लहंगा आपके लुक को नया ट्विस्ट देगा। इसके लिए आपको कई कलर ऑप्शन मिल जाएंगे, जिनको आप स्टाइल कर अपने लुक को स्टाइलिश बना सकती हैं। इस लहंगे के साथ आप हैवी ज्वेलरी की जगह सिंपल झुमके स्टाइल कर सकती हैं। वहीं हील्स इस आउटफिट के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। शादी के बाद पहले रक्षाबंधन में मायके पहनकर जाए ये खूबसूरत ऑर्गेंजा साड़ियां, लगेंगी कमाल

पिचवाई प्रिंटेड लहंगा

रक्षाबंधन पर न्यू लुक पाने के लिए आप पिचवाई प्रिंटेड लहंगा स्टाइल कर सकती हैं। यह लहंगा फ्लोरल प्रिंट डिजाइन में है और इसका दुपट्टा ऑर्गेंजा फैब्रिक में है। यह लहंगा आपको ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों पर मिल जाएगा। इस लहंगे के साथ आप स्टोन वर्क झुमके और नेकलेस कैरी कर सकती हैं। वहीं बालों को खुला रख सकती हैं।

रेयॉन फ्लोरल प्रिंट लहंगा

अगर रक्षाबंधन पर आप भी नया और अट्रैक्टिव लुक पाना चाहती हैं, तो रेयॉन फ्लोरल प्रिंट लहंगा कैरी कर सकती हैं। यह लहंगा रक्षाबंधन पर न्यू लुक पाने के लिए बेहतरीन है। इसमें आपका लुक एकदम अलग और अट्रैक्टिव नजर आएगा। इस लहंगे के साथ आप पर्ल या चोकर ज्वेलरी पहन सकती हैं। साथ ही फुटवियर में फ्लैट्स कैरी कर सकती हैं।

कढ़ाही में फटाफट बनाएं मार्केट जैसा डोसा, स्वाद में भी होगा लाजवाब

ऐसा हो सकता है कि कढ़ाही में डोसा उतना कुरकुरा न बने, जितना कि तवे पर बनता है। लेकिन एक ऑप्शन के तौर पर आप इस तरह से डोसा बना सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कढ़ाही में डोसा बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

दक्षिण भारत की फेमस डिश डोसा हर राज्य में पसंद किया जाता है। डोसा को सांभर के साथ बड़े स्वाद से खाया जाता है। आपने डोसा खाया भी होगा और शायद बनाया भी होगा। लेकिन ज्यादातर लोग तवे पर पतला और कुरकुरा डोसा बनाने जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कढ़ाही में डोसा बड़ी आसानी से बन जाता है। अगर आपके पास डोसा तवा नहीं है, तो आप भी कढ़ाही में डोसा बना सकती हैं। ऐसा हो सकता है कि यह डोसा उतना कुरकुरा न बने, जितना कि तवे पर बनता है। लेकिन एक ऑप्शन के तौर पर आप इस तरह से डोसा बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कढ़ाही में डोसा बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। घर पर बनाएं हेल्दी और टेस्टी ड्राई फ्रूट्स लड्डू, नोट कर लें रेसिपी

ऐसे तैयार करें बैटर

आप चाहें तो मार्केट में मिलने वाला डोसा बैटर ले सकते हैं। या फिर घर पर दाल-चावल भिगोकर इसको पीस लें। फिर फरमेंट करके डोसा बैटर तैयार कर लें। आपको डोसा बैटर थोड़ा पतला रखना है, जिससे कि कढ़ाही में आसानी से फैला सकें।

ऐसे बनाएं डोसा

सबसे पहले कढ़ाही को गैस पर मीडियम आंच पर गरम होने के लिए रख दें। कढ़ाही सही गर्म है या नहीं इसके लिए आप पानी छिड़ककर भी देख सकते हैं। अगर पानी छिड़कते ही फौरन भाप बन जाए, तो समझ जाएं कि डोसा बनाने के लिए यह तैयार है। वहीं तापमान का ध्यान न रखने पर डोसा जलता या चिपकता नहीं है। बैटर डालने से पहले एक मुलायम कपड़े या फिर टिश्यू पेपर की सहायता से कढ़ाही में तेल या घी को अच्छे से फैला दें। एक्स्ट्रा ऑयल को पोंछ दें, क्योंकि ज्यादा तेल होने पर डोसा कढ़ाही में चिपक सकता है। अब एक चम्मच की सहायता से कढ़ाही के बीच में डोसा बैटर डालें। बैटर को फैलाने के लिए कढ़ाही को कपड़े की मदद से थोड़ा घुमा लें।

ढककर पकाएं

बता दें कि डोसा के किनारों और सतह पर थोड़ा सा घी या फिर तेल छिड़कें। इसके बाद मीडियम आंच पर डोसे को ढक कर पकाएं, जब तक कि इसका रंग न बदलने लगे। डोसा खुद कढ़ाही के किनारों को छोड़ने लगेगा। अगर आप डोसा को दोनों तरफ से सेकना चाहते हैं, तो फ्लैट स्पैचुला की सहायता से इसको पलट सकते हैं। इसको दूसरी तरफ से एक मिनट ही पकाएं

ज्ञान बल शक्ति श्रम आधारित सदुपयोगी जीवन जीएं : महर्षि अभय कात्यायन

पं. दाताराम शास्त्री की द्वादश पुण्य स्मृति में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

निज संवाददाता

भिण्ड। सरस्वती शिशु मन्दिर मौ के संस्थापक अध्यक्ष मनीषी पं. दाताराम भारद्वाज (शास्त्री) की द्वादश पुण्य स्मृति पर नरसिंह मन्दिर परिसर मौ में गुरुवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम महर्षि अभय जी कात्यायन के सानिध्य, पूर्वमंत्री लालसिंह आर्य के आतिथ्य और वरिष्ठ समाजसेवी भाजपा नेता अशोक भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्वमंत्री एवं भाजपा अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रतिनिधि विद्याभारती भिण्ड रामानंद शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कात्यायन महाराज सहित मौजूद अतिथियों ने पं. दाताराम शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इसी क्रम में समाजसेवी अशोक भारद्वाज ने 10वीं के छात्र रोहित यादव और 12वीं परीक्षा में टॉप रहे ऋतिक अग्रवाल को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। वहीं स्कूल के अन्य मेधावी छात्रों को बैग और प्रमाण-पत्र देते हुए सम्मानित किया। मौ नगर पालिका अध्यक्ष पति सज्जन सिंह यादव भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर महर्षि अभय जी कात्यायन ने ज्ञानवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि हम सभी को ज्ञान, बल,

शक्ति और श्रम बढ़ाने पर जोर देना चाहिए और उसका सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने सनातन संस्कृति में रचे-बसे ज्ञानवर्धन पर जोर दिया। मुख्य अतिथि लालसिंह आर्य ने कहा कि संस्कारवान पढ़ाई कराने के लिए सरस्वती शिशु मन्दिर में बच्चों को पढ़ाईए। उन्होंने सरस्वती शिशु मन्दिर मौ के भवन के पहुंच मार्ग को बाधित करने वाले अतिक्रमण एवं भवन निर्माण हेतु 10 लाख रुपए देने का आश्वासन दिया। समाजसेवी अशोक भारद्वाज ने बच्चों को बचपन से ही संस्कारवान बनाए जाने पर जोर देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज देश का अधिकांश युवा आत्मविश्वास से रिक्त है। वह कामयाब तो होना चाहता है, लेकिन काबिल नहीं बनना चाहता हैं। सफलता के पीछे भागने से सफलता प्राप्त नहीं होती है, काबिल बनने से कामयाबी चरणों मे आकर नतमस्तक हो जाती है। उन्होंने कहा कि विद्या ही एक ऐसा धन है जिसका कभी नाश नहीं होता है। यह मेरे पूज्य पिता का आशीर्वाद है कि आज मुझे इन प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों छात्र-छात्राओं के अलावा मौ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष मुकेश भारद्वाज, रणवीर यादव, प्रकाश चंद्र जैन, पदम जैन, रामाख्त्यार गुर्जर, पूर्व पार्षद महबूब खान, उदयवीर सिंह यादव, कमलेश कटारे, श्यामसुंदर कटारे, मास्टर रणविजय यादव, आरपी शर्मा, दामोदर लवानिया, इंजीनियर महेश श्रोत्रीय, श्रीराम शर्मा गुड्डू, शिवकुमार शर्मा, नरेन्द्र भारद्वाज, देवेन्द्र भारद्वाज, राजेन्द्र सिंह यादव, राधामोहन शर्मा, रमेश शर्मा, परमानंद शर्मा, राहुल शर्मा, देव चौधरी, आलोक शर्मा, हरिओम बघेल, कुलदीप कटारे, गोपाल सिंह कुशवाहा, फरेन्द्र सिंह सिकरवार, मर्याद सिंह यादव, महेन्द्र सिंह परिहार, अमृतलाल खटीक, पार्षद तोताराम यादव, धर्मेन्द्र यादव बाबा, ओमवीर शिवहरे सहित कई समाजसेवी, सरस्वती शिशु मन्दिर का स्टाफ और वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी दबोह मडल की बैठक आयोजित

निज संवाददाता

दबोह। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर गुरुवार को भाजपा दबोह मण्डल की बैठक स्थानीय रेस्ट हाउस पर आयोजित की गई, जिसमें मण्डल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित मौजूद रहे। बैठक में तिरंगा यात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के पश्चात तिरंगा यात्रा प्रभारी राव सहाब गुर्जर ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा 13 अगस्त को सभी कार्यकर्ता स्थानीय रेस्ट हाउस पर एकत्रित होकर यहीं से यात्रा प्रारंभ की जाएगी, जो नगर के कोच रोड आवास गृह, गणेश चौक, चौक मोहल्ला से होती हुई मंगलम गार्डन तक जाएगी, इसके पश्चात यह तिरंगा यात्रा बस स्टैण्ड के झण्डा चौक पर समापन की जाएगी। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र उपाध्याय, महामंत्री रविन्द्र चिकवा, वरिष्ठ नेता भगवान नायक, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेन्द्र दुधारिया, पार्षद जगमोहन तेहरिया, लालता कुशबाह, पूर्व पार्षद शेरे पठान, नारायण सिंह दोहरे, अखलेश उदेनिया, अजमेर सिंह कौरव, हृदेश नायक, धर्मेन्द्र कुरचानिया, रविन्द्र शर्मा बघेड़ी, सुशील गोस्वामी, रामलखन शर्मा, संजीव सोनी, बाबा मुरावली उपस्थित रहे।

विधायक की उपस्थिति में 14 अगस्त को लहार में निकलेगी तिरंगा यात्रा

- तिरंगा यात्रा को लेकर सरयू गार्डन लहार में भाजपा की बैठक आयोजित

निज संवाददाता

लहार। भारतीय जनता पार्टी की मंशानुरूप भव्य तिरंगा यात्रा लहार नगर में 14 अगस्त को शाम 4 बजे नगर के मैथिली शरण गुप्त पार्क से निकाली जाएगी। जिसको लेकर गुरुवार को नगर के सरयू गार्डन में बैठक संपन्न हुई। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता नवल किशोर मिश्रा उपस्थित रहे। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी, सह संयोजक नरेश सिंह बघेल एडवोकेट

एवं मण्डल अध्यक्ष भाजपा लहार सुभाष अग्निहोत्री प्रमुख रूप से मौजूद रहे।इस मौके पर मुख्य वक्ता नवल मिश्रा ने कहा कि पार्टी की मंशा के अनुसार हमें नगर में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन करना है, जिसमें लहार क्षेत्र के विधायक अम्बरीश शर्मा गुड्डू भी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। यात्रा के संयोजक पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी ने कहा कि हमें इस यात्रा के लिए प्राण प्रण से जुटकर लोगों के घर-घर जाकर यात्रा को भव्य बनाकर अपने लहार विधानसभा का नाम रोशन करना है। सह संयोजक नरेश सिंह बघेल एडवोकेट ने कहा कि तिरंगा यात्रा में हम गांव-गांव घर-घर जाकर लोगों को जिम्मेदारियां सौंपेगे और जिन्हें जिम्मेदारी दी है उनके कार्यों की मॉनिटरिंग करके हर एक पहलू पर चर्चा करके यात्रा को भव्य बनाने का प्रयास करना है। मंच संचालन संजीव चौधरी ने एवं आभार व्यक्त रणवीर सिंह राठौर ने किया।इस मौके पर महिला मोर्चा की मण्डल अध्यक्ष नीलम शर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष रामकुमार राठौर, अल्पसंख्यक मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष अरफाज खान, युवामोर्चा मण्डल अध्यक्ष छोटू तिवारी, राजेश गोस्वामी, अशोक राठौर, अंगद शुक्ला छिवाउली, पूर्व सरपंच भटपुरा मुंशी चौधरी, रामकुमार गतवार एडवोकेट, रोहित त्रिपाठी, रामस्नेही गुप्ता, विमल तेजपुरा, राजीव शर्मा रहावली, दुर्गेश शाक्य, छोटू शुक्ला, अन्नू त्रिपाठी, मधुर शर्मा, अनूप गुप्ता, विशाल चौरसिया, मुनेश बघेल आदि भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

बुढ़वा मंगल पर पॉलिथिन और इलायची दाना की बिक्री प्रतिबंधित : एसडीएम

-मेला की तैयारियों को लेकर दंदरौआ धाम में बैठक आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। आगामी दो सितंबर को बुढ़वा मंगल के अवसर पर आयोजित होने वाले दंदरौआ धाम मेले की तैयारियों के संबंध में रामबरन पुजारी की अध्यक्षता में मेहगांव एसडीएम नवनीत शर्मा ने गुरुवार को बैठक ली।एसडीएम मेहगांव नवनीत शर्मा ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बुढ़वा मंगल के दिन होने वाले मेले की सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने बुढ़वा मंगल पर पॉलिथिन और इलायची दाना की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाएगा, बिजली और पानी की व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, और सड़क किनारे की झाड़ियों की सफाई जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को

जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पीने के लिए पानी की उपलब्धता और अस्थाई टॉयलेट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने बीएमओ मेहगांव अनिल शर्मा को निर्देश दिए कि सभी गेटों पर एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए इसके अलावा डॉक्टरों की भी नियुक्ति करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि सीएमओ मेहगांव महेंद्र पुरोहित को मेले के दौरान सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है एमपीईबी को निर्देश दिए कि मेले के दौरान आवश्यक विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे 24 घंटे निर्बाध बिजली की आपूर्ति उन्होंने स्पष्ट किया कि मेले की अवधि में लाइट नहीं जानी चाहिए। इसके साथ ही कार्यपालन यंत्री को पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकी की सफाई कराने और मार्ग में जगह-जगह पीने के पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर जलज त्रिपाठी, नितिन भदौरिया, सेकेट्री अशोक पाराशर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। पंचायत उन्नति सूचकांक का विमोचन (पुरुस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह) पीएआई 2.0 के सभी लाइन विभागों के सूचकांकों की जानकारी पोर्टल पर प्रविष्टि कराने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत कार्यालय भिण्ड के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विशेष रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष नंदराम बघेल, जिला पंचायत सीईओ सुनील दुबे, अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य पंचायतों को सशक्त, पारदर्शी और कुशल बनाना है। पंचायत उन्नत सूचकांक के मास्टर ट्रेनर द्वारा पीएआई 1.0 के विमोचन करते हुए पंचायत उन्नत सूचकांक के अद्यतन पंचायत उन्नत सूचकांक वेबसाइट में करने के बारे में बताया गया एवं अन्य जानकारियों को ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच, जिला अधिकारियों, जनपद अधिकारियों एवं जिला पंचायत के अधिकारी/कर्मचारी के समक्ष प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में अच्छा कार्य करने हेतु पंचायत उन्नत सूचकांक के आधार पर वित्त वर्ष में 'ए' एवं 'ए' प्लस कैटिगरी में आने हेतु सभी को प्रेरित किया गया।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत रोपे गए पौध

निज संवाददाता

मालनपुर। प्रकृति सुरक्षा एवं संरक्षा के तहत सरकार द्वारा देश भर में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम रखे गए।

इसी मुहीम के तहत द सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड मालनपुर के द्वारा मेगा प्लांटेशन प्रोगाम का आयोजन दिनांक 7 अगस्त को ग्रीन बेल्ट एरिया मालनपुर में एक साथ 1051 पौधे रोपित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यहां चंबल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री (आईएएस) के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव तथा अन्य मंचासीन रहे। मौके पर अतिथि नगर परिषद मालनपुर अध्यक्षा रायश्री मुकेश किरार, पूर्व सरपंच मेहताब सिंह, पूर्व सरपंच मालनपुर सुरेंद्र शर्मा, सीजीएम एमपीआईडीसी डीके श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव लाइव तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रेहान अली, जीएम (डीआईसी) अमित शर्मा, अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर सुश्री नम्रता सोनी, मुकुल चतुर्वेदी सूर्या रोशनी, आदित्य शुक्ला नोवा, अभिषेक प्रियदर्शी गोदरेज, विष्णु दत्त शर्मा वरिष्ठ समाजसेवी, पटवारी संजय शर्मा, पटवारी अजय खरे तथा सुप्रीम इकाइयों के प्लाट हेड आदि भी मंच पर उपस्थिति रहे। ग्रीन बेल्ट लगभग 16 एकड़ में डेवलप किया जाना है। जल्द ही पूरा प्लांटेशन होकर मालनपुर के लिए एक सौगात सौपी जाएगी। इस कार्यक्रम में समस्त अतिथियों का स्वागत-सम्मान कार्यक्रम के पश्चात मंचीय उद्बोधन हुआ। जिसमें मंचासीन अतिथियो ने पेड़ों के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण पर लोगों को संबोधित किया। तत्पश्चात पौधारोपण कार्यक्रम में सभी ने पौधारोपण किया।

अति वृष्टि और बाढ़ प्रभावित किसानों को सरकार शीघ्र मुआवजा दें

- भारतीय किसान संघ ने अटेर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

निज संवाददाता

भिण्ड। भारतीय किसान संघ जिला भिण्ड के कार्यकर्ताओं ने बाढ़ पीड़ित क्वारी नदी के किसानों से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि हमारी सब्जी और फूलों की खेती बर्बाद हो गई है, सरकार का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी हमारे कष्टों को सुनने नहीं आया। किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने गंभीर सिंह भदौरिया अटेर तहसील के नेतृत्व में एसडीएम पराग जैन से चर्चा कर एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि अति वृष्टि और बाढ़ में हुए नुक्सान का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा दिया जाए, किसानों के साथ पिछले साल की तरह धोखा किया गया तो किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे। भिण्ड जिले में अटेर में सर्वाधिक प्रकरण नक्शा सुधार के लंबित हैं, बंदोबस्त के समय अधिकांश गांवों के नक्शे खराब कर दिए थे, आज किसान सीमांकन कराता हैं तो मिलान नहीं होता, राजस्व अधिकारी और पटवारी इस बात की रिपोर्ट दे चुके हैं कि नक्शे गलत है फिर भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है, किसानों के नक्शा सुधार के आवेदन चार चार वर्षों से लंबित पड़े हैं, लेकिन सुधार नहीं हो रहा है। सार्वजनिक तालाबों को तोड़ा जा रहा है, लेकिन तालाब तोडऩे वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसलिए किसान संघ मांग करता है कि किसानों की समस्याओं का निराकरण शीघ्र किया जाए। ज्ञापन देते समय प्रतिनिधि मण्डल में नमोनारायण दीक्षित, अवधेश सिंह कुशवाह, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नरवरिया, यतेन्द्र सिंह गुर्जर, श्रीकांत, राजू भटेले शामिल थे।

संस्कारी शिष्य ही उन्नत भविष्य का निर्माण करते हैं : सोनिया अग्रवाल

- भाविप शाखा जागृति का गुरू वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। संस्कार युक्त शिक्षा की वर्तमान में बहुत आवश्यकता है, वर्तमान शिक्षा पद्धति हमें भौतिकवादी बनाती जा रही है, ऐसी स्थिति में हमारे संस्कार पीछे छूट रहे हैं, इसलिए हमें अपने संस्कारों से जुड़कर रहना है, जिससे कि हम सफल भविष्य का निर्माण कर सकें। हमें बच्चों के मन में तीज-त्यौहार, जन्मदिवस, परंपराएं इत्यादि सामूहिकता के साथ बनाने का भाव विकसित करना होगा। इससे उनमें सामूहिकता, सामाजिकता और संस्कार विकसित होंगे। यह विचार शाखा जागृति की सचिव सोनिया अग्रवाल ने भगत हाईस्कूल में चलाए जा रहे गुरू वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा गुरू वंदन छात्र अभिनंदन का क्रम 25 विद्यालय में संपन्न

किया जाएगा।शाखा सदस्य कमलेश जुनेजा ने कहा कि गुरू के बिना छात्र को ज्ञान मिलना संभव नहीं है सभी छात्रों को सदैव अपने गुरुओं का आदर करना चाहिए और उनके द्वारा दी जा रही शिक्षा का अनुपालन करना चाहिए। हमारे देश में गुरु शिष्य परंपरा बहुत महान है। अध्यक्ष गगन शर्मा ने परिषद के गठन और उद्देश्य के बारे में समझाया। भारत विकास परिषद गैर राजनीतिक सामाजिक संगठन है, इसका उद्देश्य समाज में सेवा, समर्पण, संस्कार और संपर्क के माध्यम से हमारी परंपराओं एवं आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए सेवा कार्य करना है। कार्यक्रम में विद्यालय के 11 मेधावी छात्र-छात्राओं तान्या जैन, मिस्टी जैन, अंजलि सोनी, लव माथुर, अमन खान, प्रियांशी राठौर, वंशिका, आदर्श सेंगर एवं पलक अग्रवाल का सम्मान प्रमाण पत्र एवं मेडल के साथ किया गया। इसी क्रम में विद्यालय के 14 गुरुओं का सम्मान भी जागृति शाखा के सदस्यों द्वारा माल्यार्पण एवं तिलक बंदन करके किया गया। इस अवसर पर गुरू वंदन छात्र अभिनंदन प्रकल्प के संयोजक प्रवेन्द्र शर्मा, सहसचिव राहुल यादव, अनिता बंसल, कमलेश जुनेजा, राजकुमार शर्मा एवं परिषद के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

न्यू रियान ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में श्रमिकों का शोषण

-12-12 घंटे कराया जा रहा है काम, ना ईएसआई ना पीएफ

निज संवाददाता

मालनपुर। औद्योगिक क्षेत्र में संचालित न्यू रियान ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी प्रबंधन और ठेकेदार की सांठगांठ कर श्रमिकों का हक खा रहे हैं और उनसे 12-12 घंटे काम करा रहे हैं। जिसका डबल भुगतान भी नहीं कर रहे।एक श्रमिक के द्वारा नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि ठेकेदार और कंपनी में कार्यरत श्रमिकों से 12 घंटे काम कराया जाता है और श्रमिकों का ईइसआई और

पीएफ नहीं काटा जा रहा है। श्रमिक का हक फैक्ट्री प्रबंधन और ठेकेदार सांठगांठ कर डकार रहे हैं। श्रमिकों से ओवरटाइम कराए जाने के संबंध में जिम्मेदार श्रम अधिकारी मुरारी सिंह नरवरिया को कई बार मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन फैक्ट्री प्रबंधन और श्रम अधिकारी की जुगलबंदी के चलते फैक्ट्री पर कार्रवाई करना तो दूर श्रमिकों से बातचीत करना भी उचित नहीं समझा। इस संबंध में स्थानीय श्रमिक नेता पहले ही औद्योगिक सुरक्षा अधिकारी, भविष्य निधि और ईएसआई अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। बावजूद भी कंपनी पर कार्रवाई नहीं हो रही है।

न्यायालय के आदेश पर हितग्राही को दिलाया कब्जा

निज संवाददाता

गोहद। गोहद न्यायालय में लगभग 10 वर्षों से संचालित मकान के प्रकरण का मालिकाना हक हितग्राही को दिलाया गया। इस दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। न्यायालय आयुष कनेल व्यवहार न्यायालय वरिष्ठ खण्ड गोहद के

प्र.क.13/24 मुन्नीदेवी उपाध्याय एवं ब्रजेश उपाध्याय क मण कब्जा 7 अगस्त को नायब नाजिर द्वारा डिग्री धारक ब्रजेश उपाध्याय को न्यायालय आदेश पर कब्जा दिलाया। वर्ष 2009 से मकान बनाने के दौरान तीनों लोगों ने विवाद खड़ा किया था। जिसकी थाना गोहद चौराहा, तहसीलदार, एसडीएम एवं अदालत में शिकायत करते हुए मुकदमा चला। जिसमें हाइकोर्ट ने भी 23 जुलाई को फरियादी के पक्ष में फैसला सुनाया था। फरियादी के पिता केशव उपाध्याय का देहांत 5 अक्टूबर 2023 को बीमारी के दौरान हो गया था। प्रकरण में पैरवी अशोक पचौरी एडवोकेट ने की।

संछिप्त खबरें

पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को झटका

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ (एचपीबीए) ने ठाकुर और इसके अध्यक्ष राजेश भंडारी को आम सालाना बैठक (एजीएम) के लिए अपने दो प्रतिनिधियों के रूप में नामित किया था। बैठक का मुख्य एजेंडा 2025-2029 के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का चुनाव कराना है। हालांकि बीएफआई की अंतरिम समिति ने जांच के बाद 66 सदस्यीय निर्वाचक मंडल जारी किया जिसमें ठाकुर का नाम शामिल नहीं था। पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को एक बार फिर भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया और 21 अगस्त को होने वाले चुनावों के लिए बुधवार को जारी निर्वाचक मंडल से उनका नाम हटा दिया गया। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ (एचपीबीए) ने ठाकुर और इसके अध्यक्ष राजेश भंडारी को आम सालाना बैठक (एजीएम) के लिए अपने दो प्रतिनिधियों के रूप में नामित किया था।

ओसाका का शानदार प्रदर्शन जारी, स्वितोलिना को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचीं

मॉन्ट्रियल। यह पहली बार है जब ओसाका इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंची हैं। अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यह पहली बार है जब ओसाका इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंची हैं। अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा।

एशिया कप और त्रिकोणीय सीरीज के लिए अफगानिस्तान ने प्रारंभिक टीम घोषित की

नई दिल्ली। अफगानिस्तान टीम में युवा स्पिनर एएम गजनफर की वापसी हुई है जिन्होंने चोटिल होने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में मजबूत वापसी की थी। गजनफर चोट के कारण कई महीनों तक बाहर रहे, लेकिन उन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। अफगानिस्तान ने एशिया कप के लिए 22 सदस्यीय शुरुआती टीम की घोषणा की है। एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होना है। अफगानिस्तान ने इसके अलावा त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम का एलान किया है। त्रिकोणीय सीरीज में अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान और यूएई की टीम हिस्सा लेगी। अंतिम 15 सदस्यीय टीम का चयन दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के बाद प्रदर्शन और फिटनेस के आधार पर किया जाएगा। अफगानिस्तान टीम में युवा स्पिनर एएम गजनफर की वापसी हुई है जिन्होंने चोटिल होने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में मजबूत वापसी की थी।

21वीं सदी में भारत की टॉप-5 विदेशी टेस्ट सीरीज

नई दिल्ली। इंग्लैंड में टीम इंडिया ने 1-3 की हार को 2-2 के ड्रॉ में बदल दिया। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के सभी 5 मैच आखिरी दिन तक चले और इसमें कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। लॉर्ड्स टेस्ट में अपना विकेट नहीं बचा सके मोहम्मद सिराज ने ओवल टेस्ट में बॉलिंग से विकेट लेकर टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई। वहीं मैनचेस्टर में टीम ने हार की स्थिति को ड्रॉ में बदल दिया। 1 जनवरी 2001 से भारत ने इसी तरह विदेश में 5 ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज खेलीं। जिनमें टीम को सीरीज जीत भले न मिली हो, लेकिन ड्रामा भरपूर मिला और इनकी अहमियत भी बहुत ज्यादा रहीं। दिसंबर 2003 में टीम इंडिया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया गई। 1996 में शुरू हुई क्क्ष्न्न्न्न में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया जाकर एक भी मैच नहीं जीत सकी थी। टीम को ऑस्ट्रेलिया में आखिरी जीत भी 22 साल पहले फरवरी 1981 में मिली थी। तब भी सीरीज ड्रॉ ही रही थी। युवा कप्तान सौरव गांगुली के सामने टीम को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जिताने की चुनौती थी। ब्रिस्बेन में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ रहा। गांगुली ने जरूर शतक लगाया, लेकिन टीम 16 ओवर में 199 रन का टारगेट हासिल नहीं कर सकी और मुकाबला ड्रॉ हुआ। सचिन तेंदुलकर इस मुकाबले में खाता भी नहीं खोल सके।

करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे सिराज

हम हमेशा साथ रहेंगे..., आईपीएल से संन्यास की चर्चाओं के बीच धोनी ने सीएसके के लिए लुटाया प्यार

खेल एजेंसी

चेन्नई। धोनी ने आईपीएल के अगले सीजन में खेलने को लेकर अभी रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फैंस को आश्वस्त किया कि उनके खेल करियर में आगे चाहे जो भी हो, उनका दिल हमेशा सीएसके के लिए धड़कता रहेगा। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के आईपीएल से संन्यास को लेकर चर्चाओं का बाजार हमेशा गर्म रहता है। लेकिन धोनी ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उनकी नजदीकियां इस फ्रेंचाइजी के साथ काफी गहरी हैं। धोनी ने आईपीएल के अगले सीजन में खेलने को लेकर अभी रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फैंस को आश्वस्त किया कि उनके खेल करियर में आगे चाहे जो भी हो, उनका दिल हमेशा सीएसके के लिए धड़कता रहेगा। धोनी के बिना कोई सीएसके नहीं है यह वाक्यांश अक्सर प्रशंसकों के बीच सुना जाता है और धोनी खुद भी इस भावना को दोहराते हुए प्रतीत होते हैं। 44 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि सीएसके फ्रेंचाइजी के साथ उनका संबंध एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में उनके समय से परे भी बना रहेगा। कुछ दिनों पहले धोनी ने चेन्नई में आयोजित एक निजी कार्यक्रम को संबोधित किया था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास निर्णय लेने के लिए बहुत समय है, लेकिन यदि आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं तो मैं कहूंगा कि मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और

सीएसके हम साथ हैं। आपको पता है, अगले 15-20 साल तक भी ऐसा रहेगा।धोनी 2008 में आईपीएल के शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं। धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ दी है, लेकिन आईपीएल 2025 में नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोट के कारण बाहर होने की वजह से धोनी ने कमान संभाली थी। हालांकि, पांच बार की चैंपियन सीएसके के लिए आईपीएल का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था और टीम 14 में से सिर्फ चार मैच ही जीत सकी थी। सीएसके अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी जो उसका टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन में से एक है। लेकिन धोनी की उपस्थिति से सीएसके के ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनी रही और फैंस का भी टीम को जोरदार समर्थन मिलता रहा।धोनी के आईपीएल से संन्यास की चर्चा पिछले कुछ सीजन से लगातार चलती रही है। कई क्रिकेट पंडितों का मानना था कि धोनी आईपीएल 2024 के बाद इस टूर्नामेंट को अलविदा कह देंगे, लेकिन धोनी ने घुटने की सर्जरी के बावजूद मैदान पर वापसी की और आईपीएल 2025 में एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आए। धोनी ने आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह आईपीएल 2026 में मैदान पर उतरेंगे या नहीं, लेकिन उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तान के रूप में वापसी का समर्थन किया है।

भारत के खिलाफ बल्लेबाजी करने के लिए दृण थे क्रिस वोक्स

खेल एजेंसी

■ बोले- चोट के बाद लगा करियर खतरे में है

लंदन। वोक्स भले ही पट्टी बांधकर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन इंग्लैंड की हार को नहीं टाल सके। भारत ने पांचवां टेस्ट छह रन से अपने नाम किया जिससे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर छूटी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स चोट के बावजूद भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी में खेलने उतरे थे। कंधे की हड्डी खिसकने के कारण उनके बल्लेबाजी के लिए उतरने पर संशय था, लेकिन वोक्स उतरे। वोक्स ने अब इस बारे में चुप्पी तोड़ी है और उनका कहना है कि उन्होंने बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था। उन्होंने हालांकि कहा कि जब उन्हें यह चोट लगी थी तब उन्हें लगा था कि क्या उनका करियर खतरे में है। वोक्स भले ही पट्टी बांधकर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन इंग्लैंड की हार को नहीं टाल सके। भारत ने पांचवां टेस्ट छह रन से अपने नाम किया जिससे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर छूटी। वोक्स ने कहा कि उन्हें लगा कि ऐसा करना सभी के लिए उनका कर्तव्य है और उन्हें अब भी इस बात का दुख है कि इंग्लैंड मैच हार गया। इस तेज गेंदबाज को अभी अपने स्कैन के नतीजों

को इंतजार है। वोक्स ने कहा, मुझे नहीं पता कि यह क्या है। आप बस इतना जानते हैं कि आप किसी बड़ी चीज का हिस्सा हैं। आप सिर्फ अपने लिए ही नहीं खेल रहे हैं। यह आपकी टीम और आपके साथियों की मेहनत और उनके द्वारा किए गए त्याग, घर पर और मैदान पर देखने वाले लोगों की मेहनत है। आप बस सबके लिए ऐसा करना अपना कर्तव्य समझते हैं। मैं अब भी बहुत निराश हूं, सचमुच बहुत निराश हूं कि हम वह परीकथा नहीं बना पाए। लेकिन मैंने कभी मैदान पर नहीं जाने के बारे में नहीं सोचा, चाहे जीत के लिए 100 रन ही क्यों ना होते। वोक्स ने कहा कि दर्शकों के खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मैदान पर उतरना अच्छा लगा लेकिन वह अपने इस साहसिक कार्य को अधिक तवज्जो नहीं देते। उन्होंने कहा, तालियां बजना अच्छा लगा और कुछ भारतीय खिलाड़ी अपना सम्मान दिखाने आए। लेकिन कोई अन्य खिलाड़ी भी ऐसा ही करता। आप नौ विकेट गिरने के बाद मैच खत्म नहीं कर सकते थे।

ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोलीं- बीएफआई अधिकारी ने मिसबिहेव किया

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने इंडियन बॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक पर मिसबिहेव के आरोप लगाए हैं। के अनुसार, लवलीना ने अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है। 27 साल की मुक्केबाज ने 2 पेज की लिखित शिकायत की है। इसमें लिखा- कर्नल मलिक ने 8 जुलाई को टॉप्स की जूम मीटिंग में मेरे साथ अपमानजनक और तिरस्कार भरा व्यवहार किया। इंडियन ओलिंपिक संघ ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है। तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं।

कनाडा की युवा खिलाड़ी मबोको फाइनल में पहुंचीं, रिबाकिना को हराया

खेल एजेंसी

■ अब ओसाका से सामना

मॉन्ट्रियल। मबोको का सामना जापान की चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन को 6-2, 7-6 (7) से हराया। 85वीं रैंकिंग की मबोको अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर खिताब की तलाश में उतरेंगी। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया मबोको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में नौवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। 18 साल की मबोको ने रिबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6 (4) से मात दी। मबोको ने तीसरे सेट में मैच प्वाइंट बचाया और दो बार रिबाकिना की सर्विस तोड़कर सेट टाईब्रेकर में पहुंचाया। मबोको का सामना अब जापान की चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन को 6-2, 7-6 (7) से हराया। 85वीं रैंकिंग की मबोको अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर खिताब की तलाश में उतरेंगी। अगर मबोको खिताब जीतने में सफल रहीं तो वह ओपन एरा में घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाली कनाडा की तीसरी खिलाड़ी होंगी। कनाडा के लिए फेय अर्बन (1969) और बियांका आंद्रेस्कू (2019) में ऐसा कर चुकी हैं।

युवा भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, चार खिलाड़ियों ने फाइनल में बनाई जगह

खेल एजेंसी

बैंकॉक। नीरज ने दक्षिण कोरिया के योंगहो बांग को पुरुषों के 75 किलो वर्ग में 5-0 से हराया। वहीं पुरुषों के 90 प्लस किलो वर्ग में ईशान कटारिया ने चीन के चेन चेन को मात दी जब तीन दौर के बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। भारतीय युवा मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर 22 एशियाई मुक्केबाजी के फाइनल में जगह बना ली है। नीरज ने दक्षिण कोरिया के योंगहो बांग को पुरुषों के 75 किलो वर्ग में 5-0 से हराया। वहीं पुरुषों के 90 प्लस किलो वर्ग में ईशान कटारिया ने चीन के चेन चेन को मात दी जब तीन दौर के बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। महिलाओं के 57 किलो वर्ग में यात्री पटेल ने वियतनाम की थि नुंग क्वांड को 5-0 से हराया। प्रिया ने 60 किलो वर्ग में उजबेकिस्तान की ओडिनाखोन इसमोइलोवा को हराया। रॉकी चौधरी का ईरान के सैम एस्ताकी के खिलाफ मुकाबला दूसरे दौर के बाद रोकना पड़ा क्योंकि उनकी दोनों भौहों के ऊपर कट लग गया था। हर्ष (60 किलो) और मयूर (90 किलो) भी अपने अपने प्रतिद्वंद्वियों से हार गए। हर्ष को उजबेकिस्तान के शोहरूह अब्दुमालिकोव ने 5-0 से हराया। वहीं, मयूर को उजबेकिस्तान के ही शाखजोद पोल्वोनोव ने मात दी। अंकुश को कजाखस्तान के संजार अली बेगालियेव ने 5-0 से हराया। भावना शर्मा महिलाओं के 48 किलो वर्ग में हार गईं, जबकि पार्थवी ग्रेवाल (60 किलो), प्रांजल यादव (65 किलो) और श्रुति (75 किलो) को भी सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। इस बार तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आराम दिया गया है, जबकि ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड की वनडे टीम में वापसी हुई है। अल्जारी जोसेफ को इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी आराम दिया गया था। टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें लगातार ब्रेक दे रहा है। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में वनडे मैच खेला था। इस साल इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे। वेस्टइंडीज फिलहाल वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और उनकी नजर 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर है।

इस बल्लेबाज के कहने पर मुंबई टीम में रुके थे यशस्वी जायसवाल

खेल एजेंसी

■ रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

मुंबई। भारत के वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी से बातचीत की और उन्हें मुंबई टीम छोड़ने से रोका। रोहित ने यशस्वी को समझाया कि करियर के इस मोड़ पर घरेलू टीम बदलना सही नहीं है।

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इस साल चौंकाने वाला फैसला लेते हुए घरेलू क्रिकेट में मुंबई टीम छोड़ने का फैसला लिया था। बताया जा रहा था कि यशस्वी मुंबई के बजाए गोवा के लिए खेलेंगे और उन्होंने इसके लिए मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी मांग ली थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने फैसले पर यू-टर्न लिया और मुंबई टीम में ही रुकने का फैसला किया। अब यशस्वी के इस फैसले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। मुंबई मिरर की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी से बातचीत की और उन्हें मुंबई टीम छोड़ने से रोका। रोहित ने यशस्वी को समझाया कि करियर के इस मोड़ पर घरेलू टीम बदलना सही नहीं है और साथ ही उन्हें भारत में खेलने के उनके सपने को पूरा करने में मुंबई की भूमिका की याद दिलाई। इसके बाद यशस्वी ने अपने फैसले पर यू-टर्न लिया।

एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाईक ने इस रिपोर्ट के हवाले से कहा, रोहित ने यशस्वी से करियर के इस पड़ाव पर मुंबई टीम में ही रहने को कहा। रोहित ने यशस्वी को समझाया कि मुंबई जैसी टीम के लिए खेलना बहुत गर्व और प्रतिष्ठा की बात है, जिसने रिकॉर्ड 42 बार रणजी ट्रॉफी जीती है। रोहित ने यशस्वी से यह भी कहा कि उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि मुंबई क्रिकेट की वजह से ही उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और

भारत के लिए खेलने का मंच मिला और इसके लिए उन्हें इस शहर का आभारी होना चाहिए। यहीं मुंबई में उसने मैदानों पर क्रिकेट खेलना शुरू किया और फिर मुंबई की सभी आयु वर्ग की टीमों के लिए चुना गया।

यशस्वी ने अप्रैल में सभी को चौंकाते हुए एमसीए से किसी अन्य राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए एनओसी देने की मांग की थी। एमसीए ने शुरुआत में एनओसी देने की उनकी अपील को स्वीकार कर लिया था। यशस्वी गोवा की टीम से जुड़ने के साथ उसके कप्तान बनने की राह पर थे। उन्होंने हालांकि मई में एमसीए को एनओसी जारी करने के उनके अनुरोध को वापस लेने की मांग करते हुए पत्र लिखा था। एमसीए की शीर्ष परिषद ने यशस्वी के एनओसी वापस लेने के अनुरोध को मंजूरी दे दी थी।

'भारत ए' बनाम 'ऑस्ट्रेलिया ए'

भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

खेल एजेंसी

कोंस्टास और मैकस्वीनी को मौका

सिडनी। कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू पर चमक बिखेरी थी और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया था। इस दौरान उनकी विराट कोहली से भिड़ंत भी हो गई थी और दोनों के बीच बहस भी हुई थी। भारत ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच अगले महीने दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में सैम कोंस्टास और नाथम मैकस्वीनी को भी शामिल किया गया है जिन्होंने इस साल भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट डेब्यू किया था। कोंस्टास ने पिछली भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ में मैकस्वीनी की जगह ली थी, लेकिन शीर्ष क्रम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। कैरेबियाई दौरे में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जबकि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज पर पूरी तरह से दबदबा बनाया था। 19 वर्षीय कोंस्टास एकमात्र मौजूदा टेस्ट खिलाड़ी हैं जिन्हें ए टीम में शामिल किया गया है, जबकि अन्य कैप्ड खिलाड़ियों में मैकस्वीनी, कूपर कोनोली और स्पिनर टॉड मर्फी शामिल हैं।

कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू पर चमक बिखेरी थी और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक

लगाया था। इस दौरान उनकी विराट कोहली से भिड़ंत भी हो गई थी और दोनों के बीच बहस भी हुई थी। अंतिम एकादश में जगह नहीं बना पाने के कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से शेफील्ड शील्ड में खेलने के लिए वापस भेज दिया गया था। मर्फी ने अब तक सात टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से चार मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2022-23 में खेले। उस सीरीज में मर्फी ने 14 विकेट लिए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से सीरीज गंवा दी थी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, यह उपमहाद्वीप कई अनूठी चुनौतियां और बल्ले तथा गेंद से विभिन्न कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि इन परिस्थितियों के लगातार अनुभव से खिलाड़ियों को भविष्य के उपमहाद्वीपीय दौरों के लिए अपने खेल की प्रभावी पद्धति और समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। लाल गेंद वाली टीम में जेसन संघा की कमी खल रही है, जिन्होंने पिछले महीने डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ नाबाद 202 रन बनाए थे और मैथ्यू रेनशॉ, जिन्हें भी भारत में टेस्ट खेलने का अनुभव है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच 16 से 19 सितंबर और 23 से 26 सितंबर तक लखनऊ में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे, जबकि 30 सितंबर, तीन अक्तूबर और पांच अक्तूबर को तीन वनडे मैच होंगे।

भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए की टीम इस प्रकार है...

चार दिवसीय मैच :- जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, फर्गस ओ नील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट।

वनडे टीम :- कूपर कोनोली, हैरी डिक्सन, जैक एडवर्ड्स, सैम इलियट, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, मैकेंजी हार्वे, टॉड मर्फी, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, लैची शॉ, टॉम स्ट्रैकर, विल सदरलैंड, कैलम विडलर।

भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने दिया लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन का शगुन

राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए निरंतर है सक्रिय

प्रत्येक लाड़ली बहना को 250 रुपए राखी का शगुन मिलाकर मिले 1500 रूपए

रक्षाबंधन से पहले प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को मिली 1859 करोड़ की बड़ी सौगात

उज्जवला योजना में 28 लाख से अधिक बहनों को 43.90 करोड़ सहायता राशि का अंतरण

अब तक लाड़ली बहनों को वितरित हुये 41 हजार करोड़ रूपये

कुरावर में प्रारंभ होगा शासकीय महाविद्यालय

राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में हुआ लाड़ली बहना योजना का राज्यस्तरीय कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहगढ़ में बहनों के साथ मनाया रक्षाबंधन

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के अमिट रिश्ते का प्रतीक है, जो सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करता है। रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि नारी गरिमा और सामाजिक सुरक्षा का भी संदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि हर रिश्ता परिभाषित और पूज्यनीय होता है। उन्होंने द्रौपदी और श्रीकृष्ण की रक्षाबंधन कथा का उल्लेख करते हुए इसे भाई-बहन के रिश्ते की शक्ति का प्रतीक बताया, जहाँ श्रीकृष्ण ने जीवनभर द्रौपदी की रक्षा का संकल्प निभाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिये निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 89 हजार लाड़ली बहनों के खातों में 1,859 करोड़ रुपए अंतरित किये। साथ ही उज्जवला योजना के अंतर्गत 28 लाख से अधिक बहनों को 43.90 करोड़ सहायता राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितलाभ

वितरण भी किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और कन्या-पूजन कर किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हजारों साल से भारतीय कुटुम्ब परंपरा में सभी रिश्तों का महत्व है। भांजी का विवाह करना, बेटी का विवाह करने से बढ़कर माना गया है। भारतीय संस्कृति में भांजे-भांजियों को अपने बच्चों से बढ़कर माना जाता है। बहनों की राखी और आशीर्वाद से शक्ति मिलती है। भारतीय संस्कृति में भाइयों ने सदैव बहनों की रक्षा की जैसे महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व से देश में आतंकी घटनाएं बंद हो गई हैं। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर दुश्मन को खत्म किया है। भाई अपनी जान की परवाह किए बिना बहन के सिंदूर की रक्षा करते हैं। बहनों का सुहाग उजाड़ने वालों को सबक सिखाया। इस बार 15 अगस्त ऑपरेशन सिंदूर के नाम होगा। जब देश सुरक्षित रहेगा तो भाई-बहन का रिश्ता सुरक्षित रहेगा। दुनिया के 200 से अधिक देशों में कोई देश को माता की तरह नहीं मानता है। हम अपने देश को माता की तरह देखते हैं। इसीलिए भारत माता की जय बोलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने लाड़ली बहनों को दी जा रही राशि 1000 से बढ़ाकर अब 1250 रुपए हो चुकी है। इसे आगे 3 हजार रुपए तक लेकर जाएंगे। राज्य सरकार ने अब तक 41 हजार करोड़ से अधिक राशि लाड़ली बहनों को बांटी है। प्रदेश में 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनें हैं। गुना-शिवपुरी बाढ़ आपदा के निरीक्षण करने के दौरान वहां बहनें अपने दुख भूलकर हाथों में थालियां लिए खड़ी थीं। नरसिंहगढ़ में भी बहनों के स्नेह की अभिव्यक्ति देखने को मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को अगस्त में 250 रुपए के शगुन के साथ 1500 रुपए भेजे जा रहे हैं। दीपावली के बाद लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए दिए जाएंगे। अगले तीन साल में 2028 तक 3000 रुपए बहनों के खाते में आएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प से स्वसहायता समूह की कई बहनें लखपति हो गई हैं। राज्य सरकार बहनों को रोजगार आधारित उद्योगों में काम करने पर 6 हजार रुपए की सहायता देगी। भाईयों को भी 5 हजार की सहायता देंगे। बहनों के लिए कार्यस्थल पर हॉस्टल बना रहे हैं। बहनों को गौपालन योजना के अंतर्गत 35 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहगढ़ के बैजनाथ धाम के जीर्णोद्धार की घोषणा की। धाम परिसर के चार भव्य द्वारा भी निर्मित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुरावर में छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षाकी बेहतर व्यवस्था के लिए शासकीय महाविद्यालय खोला जाएगा। क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए नेवज नदी को पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना से जोड़ा जाएगा। निकट भविष्य में राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ और ब्यावरा भी मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की जनता से जोड़ा है पारिवारिक नाता ~ मंत्री श्री काश्यप सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों को नियमित 1250 रुपये की राशि के साथ 250 रुपये का रक्षाबंधन शगुन भी दिया है, जिससे उन्हें रक्षाबंधन के अवसर पर 1500 रुपये की सौगात प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता से पारिवारिक नाता जोड़ा है और हर त्यौहार को सरकार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उल्लासपूर्वक मनाया जा रहा है। विरासत से विकास की दिशा में धार्मिक स्थलों के साथ राज्य की संस्कृति एवं त्यौहारों को भी सशक्त किया जा रहा है।

नमो नमो मोर्चा भारत युवा जिला भोपाल की पत्रकार वार्ता सम्पन्न हुई शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने लिया संकल्प

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल ~आज नमो नमो मोर्चा भारत जिला भोपाल की पत्रकार वार्ता 9 मसाला एम पी नगर में सम्पन्न हुई. विगत दिनों नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक् विजय हटवार ने भोपाल युवा जिलाध्यक्ष के पद पर जितेंद्र रिछारिया को नियुक्त किया था. उसके उपरांत युवा जिलाध्यक्ष ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए जिला उपाध्यक्ष योगेश बुंदेला, जिला मंत्री आकाश राजपूत, शुभम रजक को राष्ट्रीय संरक्षक पुरषोत्तम गुप्ता, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू के द्वारा नियुक्तिपत्र प्रदान करते हुए पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय संरक्षक गुप्ता जी ने कहा कि नमो नमो मोर्चा के माध्यम से केंद्र शासन व राज्य शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुँचाना हैं,एवं किसी भी विपत्ति परेशानी में सदैव आपके लिए नमो नमो मोर्चा की टीम हर दम सदैव खड़ी मिलेगी.पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू ने कहा कि सभी बेरोजगारों को रोजगार के अवसर नमो नमो मोर्चा के माध्यम से मिलेंगे,व शासन के द्वारा लघु उद्योगो अन्य उत्पादन के कार्यों में में मिलने वाली सब्सिटी दिलाने के लिए पुरा प्रयास करेंगे, तेलघानी बोर्ड एवं नमो नमो मोर्चा के बैनर तले घरेलू तेल उत्पादन के लिए बहुत जल्द एक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जायेगा एवं बताया कि नमो नमो मोर्चा भारत की युवा,वरिष्ठ,मातृशक्तिया अपनी अपनी सदस्यता लेकर आई डी कार्ड बनाने का अभियान अति शीघ्र होगा.

नवनियुक्त युवा जिलाध्यक्ष रिछारिया ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि संगठन सर्वोपरि हैं नमो नमो मोर्चा का जो भी आदेश होगा हम अपनी पूरी टीम के साथ निर्वाहन करेंगे युवा जिला उपाध्यक्ष योगेश बुंदेला ने कहा कि जिलाध्यक्ष जितेंद्र जी एवं पूरी टीम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूरे भोपाल जिले में युवाओं को जोड़कर वार्ड स्तर से जिले तक नमो नमो मोर्चा का गठन करेंगे.जिला मंत्री आकाश राजपूत शुभम रजक संतोष साहू तिलँगा बाबूलाल सोनी, दयाराम यादव ने भी पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया,कार्यक्रम में अरुण सोनी,राजीव लोधी, किट्टू राजपूत, आकाश राजपूत, सुरेंद्र राजपुत,कलमेश लोधी मनीष निभाड़े,डॉक्टर राज गौर,आर्यन लोधी अभिषेक धाकड़,कुलदीप किरार रितेश राजपूत,पवन शर्मा अरुण सोनी,आकाश अग्नि भोज,लोधी अभिषेक सहित सैकड़ो युवाओं की उपस्थिति रहीं, नवनियुक्त युवा जिलाध्यक्ष ने सभी युवाओं सहित सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में म.प्र. के सरकारी भवनों के सोलराइजेशन के लिए हुई प्री-बिड मीटिंग

मीटिंग में रेस्को मॉडल पर सोलराइजेशन को लेकर वेंडर्स की शंकाओं का हुआ समाधान

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल ~ 7 अगस्त, 2025 अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के सरकारी भवनों के सौर ऊर्जीकरण के लिये गुरूवार को प्री-बिड मीटिंग हुई। इसमें एमडी मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के श्री अमनबीर सिंह बैंस ने वेंडर्स को प्रेजेंटेशन देकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। बैठक में मध्यप्रदेश के विभिन्न सरकारी भवनों के ऋक्षस्ष्टह्न मॉडल पर आधारित सोलराइजेशन को लेकर वेंडर्स की शंकाओं का समाधान किया गया। इसमें 70 से अधिक प्रतिभागियों ने सोलराइजेशन के संबंध में अपने विचार रखे। एसीएस श्री मनु श्रीवास्त... ऋद्गडुस्र द्रश्रह्द्ग

तिरंगा हमारे गौरव, राष्ट्र की अस्मिता और एकता का प्रतीकः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता की अपील की

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि तिरंगा हमारे गौरव, राष्ट्र की अस्मिता और एकता का प्रतीक है। यह हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति, समर्पण और आत्मगौरव की भावना का संचार करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि 2 अगस्त से 15 अगस्त तक अपने घरों की छतों पर तिरंगा

फहराएं और 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुँचाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि यह मां भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प है। इस अभियान को जनआंदोलन बनाने में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी द्धड्डह्म्द्धड्डह्लद्बह्म्ड्डठ्ठद्दड्ड.ष्शद्व पर अपलोड करें। यह न केवल राष्ट्रप्रेम की अभिव्यक्ति है, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता और हमारी सांस्कृतिक चेतना का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर अपने घरों पर तिरंगा फहराएं, दूसरों को भी प्रेरित करें और इस महाअभियान को सफल बनाएं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पीपीओ प्रदाय कर सम्मानित किया गया

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर

अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर ने विदिशा जिले में मई व जून माह के पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों को पीपीओ का वितरण करते हुए स्मृति स्वरूप आम के पौधे व गीता प्रबोधनी पुस्तिका भेंटकर माला पहनाकर सम्मानित किया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर ने स्वस्थ्यवर्धक बने रहने की शुभकामनाएं अभिव्यक्त की है। इससे पहले सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों ने शासकीय सेवाओं के दरम्यिान अपने-अपने अनुभवो को सांझा कर स्मृतियों को यादगार बनाया। विदिशा गर्ल्स कॉलेज से सेवानिवृत्त डॉ ओजस्विनी जौहरी मेघानी व अन्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों अधिकारियों से अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने भी व्यक्तिगत संवाद कर सेवानिवृत्ति से पूर्व मिलने

वाले सभी क्लेम्प के संबंध में जानकारी प्राप्त की है। जिला पेंशन अधिकारी को निर्देशिता किया गया कि छह माह पूर्व सेवानिृत्त होने वाले सभी अधिकारी, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेंजो की पूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। कार्यक्रम को जिला पेंशन फोरम के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश चतुर्वेदी वह पूर्व एल डीएम श्री नरेश मेघाणी ने भी सम्बोधित किया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उक्त सम्मान समारोह में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, सहायक पेंशन अधिकारी द्वय श्री कैलाश चक्रवर्ती, जिला पेंशन कार्यालय के श्री जावेद खान समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।

प्रो.शिव शंकर मिश्र, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलगुरु नियुक्त

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर
डॉ.दिनेश चौबे, उज्जैन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलगुरु (कुलपति) पद पर प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने प्रो. शिवशंकर मिश्र को विश्वविद्यालय का आठवां कुलगुरु नियुक्त किया है। यह आदेश गुरुवार को राजभवन, भोपाल द्वारा जारी किया गया, जिसकी पुष्टि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने की है। प्रो. शिवशंकर मिश्र वर्तमान में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में शोध

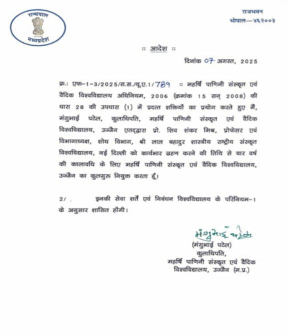

राज्यपाल मध्यप्रदेश

राजभवन
भोपाल—४६२००३

:: आदेश ::

दिनांक 07 अगस्त, 2025

क्र.: एफ-1-3/2025/रा.स./यू.ए.1/789 :: महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 (क्रमांक 15 सन् 2008) की धारा 28 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, मंगुभाई पटेल, कुलाधिपति, महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन एतद्द्वारा प्रो. शिव शंकर मिश्र, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शोध विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्रीय राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष की कालावधि के लिए महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन का कुलगुरू नियुक्त करता हूँ।

2/ इनकी सेवा शर्तें एवं निबंधन विश्वविद्यालय के परिनियम-1 के अनुसार शासित होंगी।

(मंगुभाई पटेल)
कुलाधिपति,
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

विभाग के विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। राज्यपाल ने उन्हें चार वर्ष के कार्यकाल के लिए कुलगुरु नियुक्त किया है। यह कार्यकाल उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगा।'समूहिक सहयोग से विश्वविद्यालय को नई दिशा देंगे'~ प्रो. मिश्र। नियुक्ति की सूचना मिलने के बाद, प्रो. मिश्र ने मीडिया को बताया कि उन्हें गुरुवार को ही नियुक्ति की सूचना मिली है और वे नियमानुसार उज्जैन पहुंचकर पदभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा, ÷मेरा प्रयास रहेगा कि विश्वविद्यालय को अकादमिक, शोध और सांस्कृतिक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी के साथ मिलकर कार्य करूं। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में शोध विभाग के अध्यक्ष के रूप में प्रो.मिश्र ने शास्त्रचिंतन, अकादमिक शोध, एवं शिक्षण कार्य को नई ऊँचाइयाँ दीं है आपका कार्य परंपरा और आधुनिकता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में जाना जाता है। अनुसंधान, आचार्यत्व, एवं संस्थागत नेतृत्व के साथ 'वैदिक ज्ञान पर गहन पकड़, और शिक्षा नीति में सक्रिय भागीदारी विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय ख्याति की ओर ले जाने में सक्षम सिद्ध होगी।वर्तमान कुलगुरु प्रो.विजय कुमार सीजी का कार्यकाल 20 अगस्त को हो रहा समाप्त। उसके पूर्व नए कुलगुरु की नियुक्ति की गई है। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन मध्यप्रदेश का एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान है, जो विशेष रूप से संस्कृत, वेद, उपनिषद, दर्शन, ज्योतिष, व्याकरण और भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पाठ्यक्रम और शोध को समर्पित है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने खादी ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर वस्त्र एवं तिरंगा झंडा खरीदा

- खादी केवल एक वस्त्र नहीं, हमारे स्वाधीनता संग्राम की आत्मा है

- स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने खादी के वस्त्र खरीदें- श्री हेमंत खण्डेलवाल

विशेष संवाददाता

भोपाल, 07/08/2025। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने गुरूवार को भोपाल के जवाहर चौक स्थित खादी एवं ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर तिरंगा झंडा और वस्त्र खरीदकर डिजिटल भुगतान किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री

हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि यह हमारे स्वाधीनता संग्राम की आत्मा है। हमें स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए खादी वस्त्र व तिरंगा खरीदना चाहिए।देश में खादी आज भी प्रासंगिकभाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और स्वाभिमान के प्रतीक रूप में खादी को जिस भावना से अपनाया था, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी पहले थी। ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान केवल तिरंगा फहराने की परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, गर्व और जागरूकता का अभियान है। यदि हम खादी का तिरंगा फहराते हैं, तो हम राष्ट्र प्रेम के साथ-साथ ग्रामोद्योग, आत्मनिर्भरता और स्थानीय कारीगरों के श्रम को भी सम्मान देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराएं और यथासंभव खादी से बना तिरंगा ही चुनें।

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355